ISSN 2349-6614

अगस्त 2020

मूल्य 50 रु

प्रत्यूष

हिन्दी मासिक पत्रिका

विजयी विश्व तिरंगा प्यारा
झंडा ऊंचा रहे हमारा
सदा शक्ति बरसाने वाला
वीरों को हरषाने वाला
प्रेम सुधा सरसाने वाला
मातृभूमि का तन-मन सारा
झंडा ऊंचा रहे हमारा

प्रकाशन की तिथि प्रत्येक माह की 23 तारीख वर्ष 18 अंक 4 Postal Registration No. RJ/UD/29-62/2018-2020 Posting Date : 27th-28th of Every Month RNI No. : RAJHIN/2003/9297 Posting Office : Chetak Circle, Udaipur

अर्थ डायग्नोस्टिक्स

Meaningful, Authentic & Dedicated

उच्च गुणवत्ता, सही जाँच, सही रिपोर्ट तथा उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाओं जैसे मानकों पर खरा उतरा उदयपुर का सर्वाधिक पुरस्कृत **अर्थ डायग्नोस्टिक्स सेंटर**

माननीय स्वास्थ्य मंत्री श्री रघु शर्मा अर्थ डायग्नोस्टिक्स के CEO डॉ. अरविंदर सिंह को सर्वश्रेष्ठ डायग्नोस्टिक सेंटर अवार्ड से सम्मानित करते हुए

माननीय पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे जी सिंधिया की उपस्थिति में माननीय इंडस्ट्रियल मंत्री श्री राजपाल सिंह शेखावत तथा भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष श्री अशोक परमानी अर्थ डायग्नोस्टिक्स के CEO डॉ. अरविंदर सिंह को उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाओं के लिए राज्यस्तरीयबिज़नेस लीडर अवार्ड से सम्मानित करते हुए

माननीय पूर्व गृहमंत्री श्री गुलाबचंद कटारिया अर्थ डायग्नोस्टिक्स के CEO डॉ. अरविंदर सिंह को उत्कृष्ट कार्य हेतु सम्मानित करते हुए

अर्थ डायग्नोस्टिक्स के डॉ. राजेन्द्र कच्छावा तथा डॉ. अरविंदर सिंह टाइम्स ग्रुप के इकनोमिक टाइम्स द्वारा सर्वाधिक विश्वनीय ब्रांड का अवार्ड प्राप्त करते हुए

चैम्बर ऑफ़ कॉर्स में प्रेसीडेंट एप्रीशेसन अवार्ड द्वारा उदयपुर संभाग में एकमात्र अर्थ डायग्नोस्टिक्स को सम्मानित करते हुए

उपलब्ध सुविधाएं

- पैथोलॉजी जाँचे
- डिजिटल एक्स-रे
- कलर सोनोग्राफी 3D/4D
- ऑटोमेटेड ECG
- दक्षिणी राजस्थान की सर्वप्रथम व एकमात्र 3D, डिजिटल तथा साइलेंट MRI तथा CT Scan

भारत सरकार की क्वालिटी कॉउन्सिल द्वारा NABH प्रमाणित

4-सी, एपेक्स चेम्बर, भारतीय लोक कला मंडल के पीछे, मधुबन, उदयपुर

Ph. 70733-08880, 70738-18880, 81077-53342, 77259-92990

www.arthdiagnostics.com

अगस्त
2020
वर्ष 18, अंक 4

प्रत्यूष

मूल्य 50 रू
वार्षिक 600 रू

'प्रत्यूष' के प्रेरणा स्रोत मात श्रीमती प्रमिला देवी शर्मा एवं
तात श्री आनन्दी लाल जी शर्मा
प्रत्यूष परिवार का शत्-शत् नमन चरणों में पुष्प समर्पण

प्रधान सम्पादक विष्णु शर्मा हितैषी

सम्पादक रेणु शर्मा

प्रबन्ध सम्पादक नीरज शर्मा, डॉ. वीणा शर्मा

विपणन प्रबन्धक नितेश कुमार, नन्द किशोर मदन, भूमिका, उषा चन्द्रप्रभा, संगीता

टाइप सेटिंग जगदीश सालवी

कम्प्यूटर ग्राफिक्स Supreme Designs
विकास सुहालका

सलाहकार मण्डल
गोपाल शर्मा (गोपजी), वैभव गहलोत
पवन खेड़ा, नीरज डांगी, कुलदीप इन्दौरा
कृष्ण कुमार हरितवाल, धीरज गुर्जर, अभय जैन
गजेन्द्र सिंह शक्तावत, लाल सिंह झाला
ओम शर्मा, अजय गुर्जर, आदित्य नाग
हेमन्त भागवानी, डॉ. राव कल्याण सिंह
अशोक तम्बोली, सुन्दरदेवी सालवी

छायाकार :
कमल कमावत, जितेन्द्र कमावत,
ललित कमावत

ब्यूरो रिपोर्टर : उमेश शर्मा

जिला संवाददाता
बांसवाड़ा - अनुराग चेलावत
चित्तौड़गढ़ - संदीप शर्मा
नाथद्वारा - लोकेश दवे
डूंगरपुर - सारिका राज
राजसमंद - कोमल पालीवाल
जयपुर - राव संजय सिंह
मोहसिन खान

प्रत्यूष में प्रकाशित सामग्री में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं, इनसे संस्थापक-प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सर्व विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा।

प्रत्यूष
हिन्दी मासिक पत्रिका
प्रकाशक-संस्थापक :
Pankaj Kumar Sharrma
''रक्षाबंधन'', धानमण्डी, उदयपुर-313 001

अन्दर के पृष्ठों पर...

मुद्दा
07 बॉलीवुड में नेपोटिज़्म के खिलाफ तेज हुए स्वर

रक्षाबंधन
रेशम में गुंथा विश्वास का बंधन
12

आत्मोत्सव
30 अनंत ज्योति से साक्षात्कार की अन्तर्यात्रा संवत्सरी

धर्म
श्रीकृष्ण भी हैं धर्मपुराण
32

कार्यालय पता : 2, 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी, उदयपुर (राज)
दूरभाष एवं फैक्स: 0294-2427703 वाट्सएप 9414077697
मोबाइल : 94141-57703(विज्ञापन), वाट्सएप 75979-11992(समाचार-आलेख), 98290-42499(वाट्सएप), 94141-66737
Email:pankajkumarsharma2013@gmail.com, Visit us at: www.pratyushpatrika.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, संस्थापक, स्वामी पंकज शर्मा की ओर से मुद्रक आशीष बापना द्वारा मैसर्स पायोनाइट प्रिन्ट मीडिया प्रा. लि. एम.आई.ए., उदयपुर से मुद्रित तथा 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी उदयपुर से प्रकाशित।

With Best Compliments

Jai Shanker Rai
Director

Ganpati
Infravision Pvt. Ltd.

203, 2nd Floor, Doctor's House Complex,
Post & Telegraph street, Madhuban, Udaipur (Rajasthan)
Tel/Fax: 0294-2429118, E-mail: gipl.udaipur@rediffmail.com

चीन को मिले करारा जवाब

लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर गलवां घाटी में चीन की सेना ने मई में जो हरकत की उसे भारत भूल नहीं सकता। भूलना भी नहीं चाहिए, क्योंकि चीन की धोखेबाजी की वजह से हमारे 20 जवानों का बलिदान हुआ। हालांकि भूले तो हम 1962 का साल भी नहीं है। जब प्रधानमंत्री पण्डित जवाहरलाल नेहरू से भाई-भाई वाला नाता जोड़ कर पंचशील समझौते को धता बताते हुए चीन ने भारत पर अकारण हमला बोल दिया था और एक बड़े भारतीय भू भाग को कब्जा लिया था। चीन बरसों बाद फिर शरारत पर उतर आया है और एलएसी पर यथास्थिति कायम करने को लेकर बनी सहमति पर अमल करने से आनाकानी कर रहा है।

गलवां घाटी उन क्षेत्रों में से एक है, जहां चीनी सेना ने घुसपैठ की थी। दोनों देशों के बीच यूं तो लम्बी हिमालय पर्वतश्रृंखला है, लेकिन जिस क्षेत्र को लेकर विवाद है, उसका आकार आठ उंगलियों जैसा है। यही कारण है कि यह इलाका '8 फिंगर्स' कहलाता है। करीब 14,500 फीट ऊंची पहाड़ी पर स्थित पैंगोंग झील के पास ये आठ पहाड़ियां हैं। सीमा विवाद फिंगर 4 से लेकर फिंगर 8 तक है, क्योंकि भारतीय सेना के कब्जे में फिंगर 4 तक का इलाका है, जबकि फिंगर 4 से फिंगर 8 तक दोनों सेनाओं की पेट्रोलिंग का क्षेत्र है। चीन ने फिंगर 4 तक सड़क बना ली है, जबकि झील के किनारे पर भारतीय सेना का बेस कैम्प है। फिंगर 4 से भारतीय सेना फिंगर 8 तक पैदल गश्ती करती है। पांच मई के बाद चीन की सेना फिंगर 4 तक आ पहुंची और वह अब भारतीय सेना को फिंगर 8 तक गश्त करने से रोक रही है। चीनी सेना फिंगर 4 से भी आगे बढ़ जाना चाहती है। इधर भारतीय सेना उसे फिंगर 4 से आगे बढ़ने नहीं दे रही है।

चीन फिंगर 4 से आगे इसलिए आना चाहता है कि पैंगोग के दक्षिण से उत्तरी इलाके में आवागमन के लिए उसे इस समय लम्बा और जोखिम भरा रास्ता तय करना पड़ता है। ऐसे में वह चाहता है कि भारत पीछे हटे और उसे रास्ता मिल जाए। भारत की सेना ऐसा किसी भी कीमत पर होने नहीं देगी। पैंगोंग त्सो झील 134 किलोमीटर लम्बी है। इस झील का 45 किलोमीटर क्षेत्र भारत में पड़ता है, जबकि 90 किलोमीटर क्षेत्र चीन में आता है। वास्तविक नियंत्रण रेखा इस झील के बीच से गुजरती है।

चीन की हरकतों से भारत की जनता में भारी गुस्सा है। सरकार ने भी सख्त रूख अपनाया है। भारतीय जनमानस चाहता है कि उसे अब सबक सिखाये बिना नहीं छोड़ना चाहिए। चूंकि चीन एक तरह से भारत को ललकार रहा है, इसलिए उसका प्रतिकार करने के लिए हर भारतीय को भी तैयार रहना चाहिए। अपने भीतर एक जज़्बा पैदा कर यह बीड़ा उठाना होगा कि अब चीन के बगैर ही काम चलाना है। चीन के साथ व्यापार घाटा कम करने की बजाय सरकार को अब उसके साथ व्यापारिक सभी सम्बंधों और समझौतों को खत्म करना होगा। यह कोशिश तभी सफल होगी जब हमारे कारोबारी भी यह ठान लें कि उन्हें चीन से सस्ता माल नहीं मंगाना है। हमें इसकी शुरुआत व्यापार घाटा कम करते हुए अपने यहां उन तमाम चीजों की मैन्यूफैक्चरिंग को बढ़ावा देना है, जिनका हमने चीन से सस्ते दाम पर मिलने के कारण उत्पादन बंद कर दिया था। आत्मनिर्भर भारत अभियान का एक बड़ा मकसद चीन पर आर्थिक निर्भरता कम करना ही है। चीन सरीखे देश पर आर्थिक निर्भरता जितनी जल्दी खत्म हो सके, उतना ही अच्छा है। भारत ने बदली हुई रणनीति के तहत चीन के 59 एप पर पाबंदी लगाने के साथ उसकी कम्पनियों को तमाम क्षेत्रों से बाहर करने जैसा कदम उठाया भी है। भारत ने कम समय में ही ऐसे एप बना लिए हैं, जिसका चीन पर असर दिख रहा है। वह बौखला रहा है। वह पाकिस्तान को अपने डैनों के नीचे लेकर भारत के लिए और परेशानियां खड़ी करना चाहता है। ऐसी स्थिति में हमें अपनी सामरिक तैयारियों को पुख्ता करना होगा। चीन को यह अहसास कराने की जरूरत है कि उसने कायरों की भांति हमला कर ना केवल भारी भूल की है, बल्कि भारी मुसीबत भी मोल ली है। आवश्यक केवल यह नहीं है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीनी सेना की अतिक्रमणकारी हरकतों का मुंहतोड़ जवाब देने की हर संभव तैयारी की जाए, बल्कि यह भी है कि हिंद महासागर में अपना रक्षाकवच मज़बूत करते हुए आर्थिक एवं कूटनीतिक स्तर पर भी उसके खिलाफ आवश्यक कदम उठाए जाएं।

DERMADENT CLINIC

Dermatology | Dentistry | Hair Transplant

Hair Transplant

Before

After

Before

After

Before

After

Before

After

Our Specialties

- Stitch Less Hair Transplant (FUE)
- PRP
- LLLT
- Trichoscopy
- Mesotherapy

Recipient of The Mewar Health Care Achievers Award for Best Hair Transplant Surgeon in Udaipur for 5 consecutive years

Why Dermadent Clinic

- Pioneer of FUE Transplant in Rajasthan.
- Most experienced team of FUE in Rajasthan.
- Vast 8 years of experience in Hair Transplant.
- Dr. Prashant Agrawal; a renowned International faculty and trainer in the field of Hair Transplant.
- SAARC AAD recognised Hair Transplant Training center.
- Have trained more than 100 budding dermatologist in Hair Transplant across India.
- State of the art clinic and operation theatre.

State of The Art Clinic

Dr. Prashant Agrawal

Skin Specialist & Hair Transplant Surgeon

60 - Meera Nagar, Shobhagpura, 100 Ft. Road, Udaipur

Hair Transplant HELPLINE NO. 75975-12345

www.dermadentclinic.com

बॉलीवुड में नेपोटिज़्म के खिलाफ तेज हुए स्वर

✍ जगदीश सालवी

ऐसा पहली बार नहीं है, कि बॉलीवुड पर 'भाई-भतीजावाद' और 'खेमेबाज़ी' का आरोप लगा है। लेकिन ऐसा पहली बार हुआ है, जब 'नेपोटिज्म' के आरोपों के चलते हिन्दी फिल्म इण्डस्ट्री सीधे तौर पर दो गुटों में बंटी नज़र आ रही है। इससे पहले भी कई स्टार्स बॉलीवुड में 'गुटबाजी' के खिलाफ अपनी आवाज उठा चुके हैं। वो बात अलग है कि सुशांत सिंह की आत्महत्या के बाद 'नेपाटिज्म' के खिलाफ उठाई जा रही आवाज का शोर कुछ ज्यादा ही सुनाई दे रहा है। ऐसा इसलिए है कि यह एक ऐसी प्रतिभा की मौत थी जिसने छोटे से कालखण्ड में ही अपने अभिनय का लोहा मनवाया। वह बॉलीवुड के घराने का बच्चा नहीं था। वह देसी बच्चा था, जो बिहार के गांव से चलकर वहां पहुंचा था और उसके बहुत आगे जाने की संभावनाओं के द्वार खुले थे, लेकिन बॉलीवुड को अपना साम्राज्य मानने वाली ताकतों ने वे द्वार बंद कर दिए और इस तरह भारत की एक ग्रामीण महत्वाकांक्षा ने मौत को गले लगा लिया। दिग्गज अभिनेता मनोज वाजपेयी का कहना है कि हम उस समाज में रहते हैं, जहां टेलेंट को देखते ही उसे अनदेखा करने की कोशिश की जाती है। हमारी विचार प्रक्रिया और मूल्य प्रणाली में कहीं न कहीं कमी है। लोगों को अपना व्यवहार बदलने की ज़रूरत है। वरना वे दर्शकों के दिलों में सम्मान खो बैठेंगे। इण्डस्ट्री में कई प्रतिभाशाली लोग हैं, जिन्हें उनकी सही जगह नहीं दी जा रही है। 'कमाण्डो' फेम अदा शर्मा कहती हैं कि - 'सुशांत की मौत हम आउटसाइडर्स के लिए

बॉलीवुड में उभरते सितारे सुशांत सिंह राजपूत के आत्महत्या करने के बाद हर कोई बॉलीवुड इण्डस्ट्री में व्याप्त नेपोटिज्म(भाई-भतीजावाद) को लेकर सवाल उठा रहा है। हर जगह इसे लेकर नाराजगी और बहस तेज हो गई है। उल्लेखनीय है कि अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत ने गत् 14 जून को बान्द्रा स्थित अपने फ्लेट में फन्दा लगाकर आत्महत्या कर ली थी। स्टार किड्स को लॉन्च करने के लिए मशहूर निर्माता-निर्देशक करण जौहर भी कई फैंस के निशाने पर हैं। सोशल मीडिया पर सुशांत के चाहने वाले करण की जमकर आलोचना कर रहे हैं। इसी बीच अभिनेता रणबीर कपूर का भी करण के शो 'कॉफी विद करण' को लेकर एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ जिसमें वे यह कहते हैं कि - 'उन्हें करण का शो बिल्कुल पसन्द नहीं है।'

सबसे बड़ा झटका थी। वो हम सबके लिए प्रेरणा थे। हालांकि, मैं अपनी स्ट्रगल की कहानी बताकर उनकी मौत को अवसर नहीं बनाना चाहती। लेकिन इतना ज़रूर कहूंगी कि इण्डस्ट्री में एक आउटसाइडर होने का अलग ही स्ट्रेस होता है और इससे हर कोई गुजरता है।' एक्ट्रेस कंगना रनौत, रवीना टण्डन, शेखर सुमन और सुप्रसिद्ध निर्माता-निर्देशक शेखर कपूर भी सुशांत की मौत को लेकर इशारों-इशारों में मौत की वजहों को लेकर इण्डस्ट्री के एक खास तबके की जमकर क्लास लगा चुके हैं। पचास से अधिक फिल्में कर चुकी भूमिका चावला कहती हैं कि 'यहां सर्वाइव करना मुश्किल है .... मैं इनसाइडर्स या आउटसाइडर्स की बात नहीं कर रही हूं ..... जो है सो है..... 50 से ज्यादा फिल्में कर लेने के बाद भी मेरे लिए इण्डस्ट्री के लोगों से कनेक्ट कर पाना आसान नहीं है, पर फिर भी शुक्रगुजार हूं कि मैं काम कर रही हूं।' सुशांत की गर्लफ्रेण्ड रिया चक्रवर्ती ने गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा नेता सुब्रहण्यम् स्वामी ने भी प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर सीबीआई से जांच की मांग की है। सांसद निशिकांत दुबे व पप्पू यादव ने भी ऐसी ही मांग सरकार की है।

रिया चक्रवर्ती

सुशांत सिंह के सुसाइड के बाद से अपने ऊपर भाई-भतीजावाद को बढ़ावा देने के आरोपों से करण जौहर इस कदर क्षुब्ध हुए कि उन्होंने 'मुम्बई एकेडमी ऑफ मूविंग इमेज'(मामी) से इस्तीफा दे दिया। वे इस फिल्म फेस्टिवल के बोर्ड के सदस्य। कुछ रिपोर्ट्स में यह दावा किया जा रहा है कि करण बॉलीवुड सेलेब्स से भी नाराज हैं क्योंकि उन पर लगते आरोपों के बीच कोई भी सेलिब्रिटी उनके साथ खड़ी नहीं हुई।

दूसरी ओर प्रसिद्ध टीवी सीरियल 'महाभारत' में द्रोपदी का किरदार निभा कर लोगों का दिल जीतने वाली अभिनेत्री और भाजपा सांसद रूपा गांगुली ने सुशांत सिंह की मौत को लेकर कुछ नए सवाल खड़े किए हैं। वे कहती हैं कि इस मौत के पीछे कुछ न कुछ तो गड़बड़ है। उन्होंने सुशांत के इन्स्टाग्राम एकाउन्ट को लेकर चौंकाने वाला खुलासा किया है। उनका कहना है कि सुशांत की मौत को कई दिन बीत गए, इसके बावजूद कोई न कोई उसका एकाउन्ट ऑपरेट करता रहा।

जो भी ऐसा करता रहा, वह सबूतों से छेड़छाड़ कर नष्ट कर रहा था। रूपा ने भी इसकी सीबीआई से भी जांच की मांग की है। उन्होंने कुछ सवाल किए हैं, जो इस प्रकार हैं - **एक बलिष्ठ व्यक्ति की मामूली दुपट्टा जान कैसे ले सकता है, कमरे में कुर्सी या स्टूल क्यूं नहीं मिला, डुप्लीकेट चाबी क्यूं मिसिंग है, फिंगर प्रिन्ट्स क्यूं नहीं मिले, सीसीटीवी कैमरे कैसे बंद हो गए थे ? अगर कैमरे बंद नहीं थे तो फुटेज कहां है ?** बॉलीवुड के दबंग खान सलमान खान भी सुशांत की मौत के बाद हर तरफ से आलोचनाओं के शिकार रहे हैं। उन पर पक्षपात का आरोप लग रहा है। कहा जा रहा है कि सलमान खान सूरज पंचोली की वजह से सुशांत से नाराज थे। खबरें ये भी हैं कि उन्होंने सुशांत को कई फिल्मों से बाहर करवाया। इस मामले में सोशल मीडिया पर सलमान की आलोचना और बचाव का दौर रहा, हालांकि इस विवाद में बाकी सितारों की तरह सलमान ने अपने कमेंट सेक्शन को लॉक नहीं किया और थोड़े दिनों तक कम एक्टिव रहने के बाद वे फिर से अपनी पोस्ट को लेकर फैन्स के बीच सुर्खियां बटोर रहे हैं।

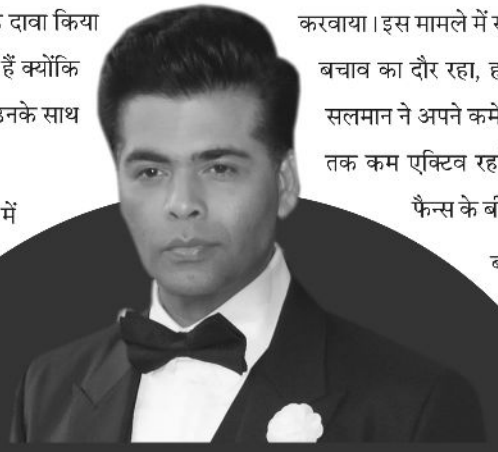

करण जौहर की पोस्ट

सुशांत की मौत के बाद करण जौहर ने ट्विटर और इन्स्टाग्राम पर 14 जून को श्रद्धांजलि देने के लिए एक पोस्ट की थी। इसके बाद वे कई दिनों तक ट्विटर व इंस्टाग्राम पर नहीं दिखे। पोस्ट में उन्होंने अफसोस जताया था और इस बात के लिए खुद को दोषी माना था कि वे सालभर से सुशांत के सम्पर्क में नहीं थे। उन्होंने पोस्ट में लिखा कि - कई बार आपको अपनी बातें साझा करने के लिए लोगों की ज़रूरत रहती है। लेकिन कहीं न कहीं मैं इस बात को अपने जीवन में नहीं उतार सका। अब मैं वह गलती दोबारा नहीं करूंगा। सुशांत का दुर्भाग्यपूर्ण निधन मेरे अलावा मेरी सहानुभूति के स्तर और रिश्तों को बढ़ावा देने और उनकी रक्षा के लिए मुझे जगाने वाला साबित हुआ है।

बहरहाल एक प्रतिभाशाली नवोदित सितारा असमय ही टूट गया। वजहें जो भी रही हों, उनकी तह तक जाना और उन्हें दूर करना होगा ताकि और किसी मां-बाप की आंखों का चमकता तारा इस तरह शून्य में न खो जाए जैसे सुशांत। उसे तो अभी बहुत आगे जाना था, चमकना था। उसकी स्मृतियों को सहेजे रखने के लिए परिवार ने पटना(बिहार) के राजीव नगर स्थित उस मकान को 'मेमोरियल' में बदलने का फैसला किया है, जिसमें गुलशन उर्फ सुशांत की घुटनों पर चलते गूंजी किलकारियों से लेकर यौवन की अंगड़ाई तक की यादें सिमटी हुई हैं।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

जितेन्द्र जैन
9252498098

मैं. जितेन्द्र जैन

हिरणमगरी से. 3, उदयपुर

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

हितेश शोभावत
94142 45485
89494 68979

शोभावत कंन्सट्रक्शन

हितेश शोभावत

2–ख–10 हिरणमगरी से. 5, उदयपुर

युवा शक्ति की प्रेरणा थे राजीव गांधी

✍ डॉ. रघु शर्मा

पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी की 76वीं जयंती 20 अगस्त को देश में 'सद्भावना दिवस' के रूप में मनाई जाएगी। यह दिवस राष्ट्र की प्रगति के लिए राजीव गांधी के जुनून की याद दिलाने वाला है।

राजीव गांधी से मेरी अनेक भावुक यादें जुड़ी हैं। मैं वर्ष 1988 में प्रदेश युवक कांग्रेस का अध्यक्ष बना। वह युवा शक्ति के आगे आने का दौर था और इसके प्रणेता थे राजीव गांधी। जिन्होंने देश के कोने-कोने में युवा कार्यकर्ताओं को एक हौसला और राजनीतिक दिशा दी। अखिल भारतीय युवक कांग्रेस की कार्यसमिति की बैठकों में राजीवजी पूरा समय देते और युवा कार्यकर्ताओं की छोटी से छोटी बात को तरजीह देते। यहां तक कि उनके बीच हुई किसी नाइत्तफाकी को भी तत्काल दूर कराते। राजीवजी का युवाओं के प्रति यही लगाव उनके प्रधानमंत्री के रूप में लिए गए फैसलों में परिलक्षित हुआ। तमाम वरिष्ठ नेताओं की आशंकाओं को नजरअंदाज कर राजीव गांधी ने युवाओं को अठारह वर्ष पर मताधिकार सौंपा। वह एक क्रांतिकारी कदम था। राजीव गांधी देश के सामने कम्प्यूटर क्रांति का सपना लेकर आए।

आज भारत इसी क्रांति के बलबूते पूरी दुनिया में अग्रणी पंक्ति में खड़ा है। उन्होंने पंचायतराज संस्थाओं को एक नई ऊर्जा दी। वे वक्त के आगे सोचने और देखने वाले दूरदृष्टा नेता थे। देश के समक्ष अगले पच्चीस वर्षों के लिए एक प्रखर नेतृत्व का विश्वास जगाया था। वे विश्वपटल पर एक स्वीकार्य नेता के रूप में उपभ रहे थे, ऐसे नेता जिनसे दुनिया भर के लोग प्रेरणा ले रहे थे। आतंकवाद ने उन्हें असमय हमसे छीन लिया लेकिन आज भी उनका दिखाया रास्ता हमारा प्रकाशस्तंभ है।

राजीवजी को राजस्थान से विशेष स्नेह था। उनके दौरों के समय मुझे उनका अपनत्व हरदम मिला। चित्तौड़गढ़ जिले में हुए एक अग्निकांड का जायजा लेने राजीव गांधी खुद हवाईजहाज उड़ा कर हम्मीरपुर की हवाई पट्टी पर उतरे। उसके एक दिन पहले ही मैं युवक कांग्रेस के एक प्रदर्शन में आम जनता और युवा इकाईयों पर पुलिस के बेरहम लाठीचार्ज में घायल हुआ था। हवाईपट्टी पर बड़ा हुजूम जमा था। अतिव्यस्तता के बावजूद राजीव गांधी ने पट्टी बंधी देख मुझसे मेरा हालचाल पूछा और घटना का जायजा लिया। मेरे जैसे युवा कार्यकर्ता के लिए यह बड़े हौसले की बात थी। ऐसा ही विधानसभा चुनावों के वक्त हुआ। राजीव गांधी राजस्थान में पार्टी के टिकट तय करने के बाद दूसरे राज्यों की टिकट वितरण बैठक में बैठे थे। मुझे टिकट नहीं मिला था, मैं मुकुल वासनिकजी के साथ उनके पास पहुंचा।

राजीवजी बाहर आए और पूछा कि तुम्हारे टिकट का क्या हुआ। जब मैंने उन्हें स्थिति बतायी तो राजीवजी ने कहा तुम जहां से चाहो वहां से तैयारी करो, तुम्हें चुनाव लड़ना है और मुझे टिकट मिला। ऐसा था राजीवजी का अपने कार्यकर्त्ताओं के प्रति प्रेम और विश्वास।

राजीव गांधी की अगवानी करते रघु शर्मा।

जोधपुर में जिप्सी के सामने एक बूढ़ी महिला आ गयी और राजीवजी से कहा कि उसकी आँखें खराब हैं और ईलाज के लिए पैसे नहीं है। राजीवजी बेहद भावुक हो उठे। उन्होंने गाड़ी रुकवाकर उस महिला से बात की और उसे भरोसा दिलाया कि चुनाव बाद तुम्हारी आँखों का पूरा ईलाज मैं करवाऊंगा। राजीवजी ने उस महिला का पता नोट करने के निर्देश भी दिए। कौन जानता था भारत का यह भावुक स्वप्नदृष्टा चार दिन बाद ही शहादत के मार्ग पर बढ़ चलेगा।

मई 91 में शहादत के चार दिन पहले 16 मई को वे जोधपुर आए थे। तब मैंने ही उनकी जिप्सी चलाई थी। अंधेरे और भारी भीड़ के कारण मेरे से जिप्सी का एकबारगी पावर गियर नहीं लगा तो राजीवजी ने खुद गियर बदल डाला। रास्ते में बड़ी भीड़ थी और लोग अपने प्रिय नेता की एक झलक पाने को उमड़ रहे थे। सभास्थल पर आने के बाद पत्रकार सुमन दुबे ने मुझसे कहा कि राजीवजी ने सुबह से कुछ नहीं खाया है। मैंने तत्काल कोल्ड ड्रिंक्स मंगवाया, लेकिन राजीवजी ने कहा कि उनका गला खराब है। ऐसा था उनका समर्पण। वे एक प्रेरणादायी सेनानायक थे। उनके नेतृत्व की स्मृतियां आज भी हमें जज्बा देती हैं।

(लेखक राजस्थान में मंत्रीपरिषद् के सदस्य हैं)

ईश्वर ने मनुष्य को अनेक रिश्तों के साथ जोड़ा है। ताकि वह अपने को कभी अकेला न महसूस करे। इन रिश्तों में मिश्री की मिठास सा रिश्ता है, भाई-बहिन का। जिसमें खट्टी-मीठी नोंक-झोंक है तो नमकीन सी नाराज़गी भी। परस्पर प्यार-दुलार का यह इन्द्रधनुषी रिश्ता एक साथ कई रिश्तों को जी भी लेता है। कभी पिता की तरह फर्ज़ निभाता भाई तो कभी मां की तरह दुलार की थपकी देती बहिन। इस रिश्ते में कभी बचपन सी शरारत और चंचलता फुदकती है तो कभी समुद्र सी गंभीरता और बड़प्पन। भाई-बहिन के बीच भावों की भीड़ में निखराता यह कोमल रिश्ता दिल में छिपे प्रेम और स्नेह की सहज अभिव्यक्ति देता है और राखी के पर्व पर उत्साह और उमंग बनकर छलकता है। जिसमें दोनों ही रेशम की नाजुक डोर से ही सही किन्तु विश्वास की मज़बूत कड़ी से बद्ध होते हैं।

रेशम में गुंथा विश्वास का बंधन

✍ मनीष उपाध्याय

भाई-बहन का रिश्ता एक ऐसा रिश्ता है जिसमें मोतियों सी चमक देखने को मिलती है। उम्र के चाहे किसी भी दौर में क्यूं ना हो एक बहन जब भी अपने भाई को देखती है तो उसकी आंखों में एक ऐसी चमक छा जाती है जो कभी उसे जन्मों की दौलत मिलने पर भी नहीं मिली होगी वहीं बहन को याद कर भाई का दिल भर आता है और उसके हाथ उसे आशीर्वाद देने के लिए अपने आप ही उठ जाते हैं। यह रिश्ता ऐसा रिश्ता है जिसमें सालों बाद भी यादों के पिटारे से निकल जाते हैं कितने ही चमकते, नटखट मोती। जिन्हें उम्र भर सहेजे रखने को दिल चाहता है।

अपनत्व का अहसास

भाई-बहन का लगाव व स्नेह ताउम्र बरकरार रहता है, क्योंकि बहन कभी बाल सखा तो कभी मां तो कभी पथ-प्रदर्शक बन भाई को सिखाती है कि जिंदगी में यूं आगे बढ़ो। इसी तरह भाई कभी पिता तो कभी मित्र बन बहन को आगे बढ़ने का हौसला देता है। चाहे परिस्थितियां कितनी भी बदलें, लेकिन अपनत्व का बखूबी अहसास यही रिश्ता करता है। आज भी इस रिश्ते में वो कशिश है कि देर सबेर खुशी और गम में अपनों को शामिल करता है। एक-दूसरे को संबल देते इस रिश्ते में कृष्ण-सुभद्रा सा प्यार है तो कृष्ण-द्रोपदी सा रक्षा कवच भी है।

पौराणिक संदर्भ

रक्षाबंधन के संदर्भ में जितनी भी पौराणिक और धार्मिक कथाएं हैं, उनमें इस पर्व का संबंध रक्षक के रूप से जुड़ता है। रक्षा सूत्र ही राखी के रूप में प्रचलित हुआ। एक पौराणिक कथा के अनुसार महाभारत युद्ध से पूर्व भगवान श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर को रक्षा सूत्र की अपार शक्ति के बारे में बताते हुए सलाह दी थी कि वे अपनी सेना के साथ यह पर्व मनाएं। इससे सेना और पांडवों की रक्षा होगी। भविष्य पुराण में लिखा है - इंद्र की पत्नी शचि ने असुरोंसे युद्ध के लिए प्रस्थान करते समय उन्हें 'ऊं दुं दुर्गे-दुर्गे रक्ष-रक्ष स्वाहा' मंत्र से अभिमंत्रित रक्षा सूत्र बांधा था। शिशुपाल के वध के समय जब श्रीकृष्ण की उंगली कट गई थी, तब द्रोपदी ने अपने आंचल की किनारी को फाड़ कर श्रीकृष्ण की उंगली पर बांध दिया था। उस दिन पूर्णिमा थी।

एक अन्य कथा में कहा गया है - इंद्र के राज्य को राजा बलि से बचाने के लिए भगवान विष्णु राजा बलि के यहां वामन अवतार में पहुंचे और तीन पग भूमि मांगी। भगवान वामन ने दो पग में भूलोक(पृथ्वी) और देव लोक नाप लिया। तीसरे पग के लिए भूमि बची ही नहीं। तब तीसरे पग के लिए राजा बलि ने अपना सिर वामन के पैर के नीचे रख दिया। प्रसन्न होकर भगवान विष्णु ने बलि से वरदान मांगने को कहा तो उन्होंने विष्णु को सदैव अपने सामने रहने का वरदान मांगा। इसे निभाने के लिए जब भगवान विष्णु पृथ्वी पर राजा बलि के द्वारपाल बने, तब लक्ष्मीजी ने बलि को राखी बांध कर अपने पति विष्णु को उपहार स्वरूप वापस पाया था। कहा जाता है कि इस दिन रक्षा सूत्र बंधवाने वाले भाइयों को जीवन में किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता। देवी भागवत और शक्ति पुराण के अनुसार रक्षा सूत्र का विस्तृत रूप से विधान बताया गया है।

रक्षासूत्र पूजन विधि : लोहे को छोड़ कर किसी भी धातु की थाली में लाल चंदन, कुमकुम और सिंदूर मिला कर 'ऊं दुं दुर्गे-दुर्गे रक्ष-रक्ष स्वाहा' मंत्र अंकित करें तथा उस पर राखी रख कर गंगाजल, लाल चंदन, अक्षत, लाल पुष्प, धूप, दीप, मिष्ठान, फल चढ़ाएं। उसके बाद लाल चंदन या कुमकुम से रंगे चावलों को इसी मंत्र का उच्चारण कर 108 बार रक्षासूत्र पर अर्पित करें, फिर उसे किसी पात्र से ढक कर रख दें। पात्र को उसी समय खोलें, जब भाई की कलाई पर रक्षासूत्र बांधना हो। यह प्रक्रिया बहनों को ब्रह्ममुहूर्त में सम्पन्न कर लेनी चाहिए। रक्षासूत्र बांधते समय इस मंत्र का उच्चारण करें - 'येन बद्धो बली राजा दानवेन्द्रों महाबली, तेन त्वामभिबध्नामि रक्षे मा चल मा चल' इस मंत्र के साथ ही देवगुरु बृहस्पति ने श्रावणी पूर्णिमा के दिन देवराज इंद्र को इंद्राणी द्वारा रक्षासूत्र धारण कराया था।

श्रवण नक्षत्र

ज्योतिषशास्त्र में श्रावण का नामकरण श्रवण नक्षत्र के कारण हुआ है जबकि श्रवण नक्षत्र का नामकरण मातृ-पितृ भक्त श्रवण कुमार के नाम पर हुआ है। श्रवण नक्षत्र में तीन तारे होते हैं और वे तीन चरण(वामन भगवान के तीन कदम) के प्रतीक चिह्न हैं। कुछ विद्वानों के अनुसार तीन तारे श्रवण के माता-पिता एवं स्वयं श्रवण कुमार के प्रतीक हैं। इसी तरह अभिजीत नक्षत्र राजा दशरथ का प्रतीक है, जो कि शिकार की मुद्रा में बैठा है।

उत्तराषाढ़ एवं पूर्वाभाद्रपद दोनों नक्षत्रों की आकृति मंत्र की तरह है तथा तारों की संख्या भी दो ही है। उत्तराभाद्रपद नक्षत्र की आकृति स्त्री-पुरुष की जोड़ी है और ये ही श्रवण कुमार के माता-पिता है। उत्तराषाढ़ नक्षत्र का मंच राजा दशरथ का है, तो पूर्वाभाद्रपद के मंच पर श्रवण अपने माता-पिता का स्थान बनाकर रहते हैं। श्रावण मास में सूर्य प्रायः कर्क राशि में रहता है और कर्क राशि भी जलचर राशि है। जिस प्रकार राजा दशरथ ने श्रावणी पूर्णिमा को प्रायश्चित किया था, उसी प्रकार सभी वर्णों के लोग प्रायश्चित निमित्त श्रावण कर्म संपन्न करते हैं। यह मास अध्ययन तथा अध्यापन के लिए श्रेष्ठ माना जाता है। 28 नक्षत्रों में श्रवण अपना विशेष महत्व रखता है। श्रवण नक्षत्र में जन्मे जातक अच्छी प्रगति करते हैं, लेकिन गुप्त शत्रुओं के भय से अनेक योजनाओं को अकारण ही अधूरी छोड़ देते हैं।

इस काल में जन्मे जातकों की आयात-निर्यात, अध्ययन अध्यापन, चिकित्सा, तकनीकी शिक्षा, कला, रसायन आदि में विशेष रूचि रहती है। दाम्पत्य जीवन साधारण रहता है। इस नक्षत्र में जन्मे लोग अक्सर माता-पिता से दूर हो जाते हैं। मुहूर्त की दृष्टि से श्रवण नक्षत्र गर्भाधान, कर्णवेध, मुंडन, विद्यारंभ, वधू प्रवेश, द्विरागमन, वापी, कूप, तालाब निर्माण, कृषिकर्म आदि में यह नक्षत्र शुभफलदायक होता है। शिव आराधना की दृष्टि से भी श्रवणयुक्त पूर्णिमा सर्वश्रेष्ठ मानी जाती है। रक्षासूत्र का संबंध भी श्रवण नक्षत्र से होता है, क्योंकि सरसों, केसर, चंदन, अक्षत, दूर्वा, सुवर्ण आदि को एक पोटली में बांधकर उस वस्त्र को सूत्र में बांधकर पुरुष के दाहिने हाथ तथा महिला के बाएं हाथ में बांधने पर रक्षा बंधन हो जाता है।

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ. अजय सिंह चुण्डावत
M.B.B.S., M.D.
एनेस्थीसीयोलोजिस्ट

डॉ. (श्रीमती) कौशल चुण्डावत
M.B.B.S., DGO
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
गायनिक, सोनोलोजिस्ट

संजीवनी हॉस्पीटल

50 बेड का मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पीटल आधुनिक मोड्यूलर ऑपरेशन थियेटर एवं सभी आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित प्रसूति कक्ष

साधारण, हाई रिस्क डिलीवरी, गर्भाशय का ऑपरेशन, सिजेरियन डिलीवरी, निसंतानता का निवारण, गर्भवती एवं समस्त प्रकार के स्त्री रोगों की नियमित जांच व इलाज

पाठों की मगरी, सेवाश्रम चौराहा, उदयपुर (राजस्थान)
फोन : 0294-2418575, 9829934770, 9829229350, 9571327528

Email:sanjivanihospitaludaipur@gmail.com
admin@sanjivanihospitaludaipur.org
Website : www.sanjivanihospitaludaipur.org

कुम्भ मेला 2021

हरिद्वार में कुंभ का योग एक साल पहले 2021 में ही बन रहा है। वैसे तो कुंभ प्रति 12 वर्ष के बाद होता है, लेकिन इस बार यह ग्रह योग के चलते 11 साल में ही होगा। राज्य सरकार ने इसकी साल भर पहले से तैयारियां शुरू कर दी थी। पिछले कुंभ में देश-विदेश से 9 करोड़ तीर्थयात्रियों ने भाग लेकर पवित्र गंगा में डुबकी लगाई थी। इस बार करीब 15 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। इसी अनुरूप व्यवस्था भी की जा रही है। हालांकि इसके परम्परागत रूप में आयोजित होना 'कोरोना' के तत्कालीन तेवर पर भी निर्भर होगा।

दायरा फैलेगा बढ़ेंगे श्रद्धालु

डॉ. प्रीतम जोशी

हरिद्वार में 2021 में लगने वाले कुंभ मेले में इस बार 15 करोड़ तीर्थ यात्रियों के आने की संभावना है जबकि 2010 के कुंभ में 9 करोड़ तीर्थयात्री 4 महीने की अवधि तक चले मेले में आए थे। वहीं, इस बार पिछले कुंभ मेले की तुलना में मेला क्षेत्र का पूर्वापेक्षा अधिक विस्तार किया जा रहा है। हालांकि कोविड-19 के चलते उस समय की परिस्थितियों पर भी बहुत कुछ निर्भर होगा। इस बार कुंभ मेले में और अधिक बेहतर प्रशासनिक व्यवस्था के लिए पिछले कुंभ मेले के मेला क्षेत्र 630 हेक्टेयर की तुलना में 2021 में 1454 हेक्टेयर का प्रयोग किया जाएगा। पिछले कुंभ में 210 हेक्टेयर की तुलना में कुंभ 2021 में लगभग 550 हेक्टेयर में 150 से 200 पार्किंग स्थल बनाए जाएंगे।

संन्यासियों की सुविधाओं के लिए गौरी शंकर घाट का निर्माण किया जा रहा है। इस बार 1454 हेक्टेयर मेला क्षेत्र होगा। इसमें 583 हेक्टेयर में पार्किंग, 874 हेक्टेयर में एरिया केंपिंग के लिए योजना बनेगी। पिछले कुंभ की तुलना में 9 सेक्टर अधिक बनाए जाएंगे।

कुंभ मेला क्षेत्र को 41 सेक्टरों में बांटा जाएगा। इस बार जो नए सेक्टर बनाए गए हैं, उनमें शिवालिक नगर, जगजीतपुर, गौरीशंकर द्वितीय, कांगड़ी पार्क, श्यामपुर, ऋषिकेश, तपोवन में पार्किंग सेक्टर बनाए जाएंगे। इसके अलावा देवपुरा एहतमाल, सप्तसरोवर को केंपिंग के लिए चुना गया है।

कुंभ मेले में दिव्यांगों के लिए इको फ्रेंडली लो फ्लोर बस और दिव्यांग घाट बनाया जाएगा। महिलाओं के लिए पिंक सेवा ई-रिक्शा, ऑटो चलेंगे। इसको स्वयं महिलाएं संचालित करेंगी।

राज्य सरकार कुंभ मेले को लेकर अधिक गंभीर दिखाई दे रही है। कुंभ मेला अधिकारी और कुंभ मेला महानिरीक्षक की नियुक्ति पिछले कुंभ के मुकाबले काफी पहले कर दी गई है। मुख्यमंत्री स्तर पर अब तक छह-सात बैठकें

कुंभ मेले में होंगे 10 स्नान पर्व

हरिद्वार में कुंभ मेला 1 जनवरी 2021 से शुरू होकर 30 अप्रेल तक यानी 4 महीने चलेगा। इसमें 4 शाही स्नान पर्वों और शेष 6 स्नान पर्वों सहित कुल 10 स्नान पर्व होंगे। मुख्य स्नान पर्व 14 अप्रेल को मेष संक्रांति के दिन होगा। इस स्नान पर्व को अमृत गंगा स्नान पर्व भी कहा जाता है। इसका पौराणिक महत्व है। इस दिन गंगा का जल अमृतमय हो जाता है।

शाही स्नान

गुरुवार, 11 मार्च 2021 महाशिवरात्रि

सोमवार, 12 अप्रैल 2021 सोमवती अमावस्या

बुधवार, 14 अप्रेल 2021 मेष संक्रांति और वैशाखी

मंगलवार, 27 अप्रैल 2021 चैत्र माह की पूर्णिमा

प्रमुख स्नान

गुरुवार, 14 जनवरी 2021 मकर संक्रांति

गुरुवार, 11 फरवरी 2021 मौनी अमावस्या

मंगलवार, 16 फरवरी 2021 बसंत पंचमी

शनिवार, 27 फरवरी 2021 माघ पूर्णिमा

मंगलवार, 13 अप्रैल 2021 चैत्र शुक्ल प्रतिपदा

बुधवार, 21 अप्रैल 2021 राम नवमी

कुंभ मेला कार्यों में किसी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। 30 नवम्बर तक सभी निर्माण कार्यों को निश्चित ही पूरा कर लिया जाएगा। कुंभ मेले के मैक्रो और माइक्रो लेबल प्लान के लिए संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए हैं।

- त्रिवेन्द्र सिंह रावत, मुख्यमंत्री, उत्तराखंड

कुंभ मेला क्षेत्र का विस्तार किया गया है और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई तेजी से की जा रही है। साधु-संतों को इस बार शिविर लगाने के लिए अधिक से अधिक भूमि उपलब्ध कराई जाएगी। गौरी शंकर दीप से आगे गंगा तट पर कुंभ मेले का विस्तार दक्षिण दिशा की ओर किया जा रहा है। जहां साधु-संत अपनी छावनी बनाएंगे।

- दीपक रावत, कुंभ मेला अधिकारी

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के पदाधिकारियों के साथ हो चुकी हैं।

मुख्य सचिव, पुलिस आयुक्त, कुंभ मेला अधिकारी तथा मेला पुलिस महानिरीक्षक के स्तर पर भी 12-13 बैठकें हो चुकी हैं। मुख्यमंत्री ने अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महामंत्री महंत हरि गिरि और अन्य साधुओं के साथ खुद भी कुंभ कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया है। महंत हरि गिरि का कहना है कि वे कुंभ कार्यों से पूरी तरह संतुष्ट हैं और इस बार राज्य सरकार ने समय रहते कुंभ मेले से जुड़े अधिकारियों की नियुक्ति कर ली, जिससे कार्यों में गति आई है।

राज्य की भाजपा सरकार के लिए 2021 का कुंभ इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि 2022 में राज्य में चुनाव होने हैं। अगर सरकार कुंभ को भव्य और व्यवस्थित तरीके से आयोजित नहीं कर सकी तो विपक्ष को उसे घेरने का मौका मिल जाएगा। केन्द्रीय मदद में देरी से धर्माचार्यों में जरूर थोड़ी बैचेनी है। मुख्यमंत्री अखाड़ों समेत विभिन्न धर्माचार्यों से कई बैठकों में कुंभ के लिए सभी जरूरी काम शीघ्र संपन्न कराने का भरोसा दिला चुके हैं।

कुंभ एक वर्ष पहले

ज्योतिष गणना के मुताबिक इस बार हरिद्वार कुंभ मेला 12 वर्ष की बजाय एक वर्ष पूर्व यानी 11 वर्ष में होगा। ज्योतिषविद् पंडित प्रतीक मिश्र पुरी का कहना है कि गुरु बृहस्पति ग्रह को एक राशि को पार करने में लगभग एक वर्ष का समय लगता है। बारहवें वर्ष में गुरु बृहस्पति ग्रह पुन: उस राशि में प्रवेश करते हैं। जिस राशि में वे 12 वर्ष में आए थे। जब बृहस्पति ग्रह कुंभ राशि में प्रवेश करते हैं, तब तीर्थ नगरी हरिद्वार में कुंभ भरता है। ज्योतिष शास्त्र की सूक्ष्म गणित के अनुसार गुरु बृहस्पति ग्रह को 12 ग्रहों की परिक्रमा करने में 11 वर्ष 11 माह 27 दिन का समय लगता है। इसके अनुसार 58 दिन का अंतर पड़ जाता है। सातवें कुंभ के अंतराल में आठवां कुंभ एक वर्ष पहले पड़ता है। इस तरह हरिद्वार में 2021 के कुंभ से पहले 1938 में एक साल पहले यानी 11वें वर्ष में कुंभ पड़ा था। ज्योतिष शास्त्र में की गई गणना के अनुसार पिछले एक हजार साल में केवल हरिद्वार में ही कुल 85 कुंभ पड़े हैं। एक हजार वर्ष में हरिद्वार में पड़ने वाले 85 कुंभ मेलों में से अब तक 10 कुंभ 11 साल में पड़े हैं और 2021 में हरिद्वार में 11 वर्ष में पड़ने वाला कुंभ मेला 11वां होगा।

मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत कुंभ मेले के लिए केन्द्रीय सहायता की बाट जोह रहे हैं। ताकि काम समय पर और व्यवस्थित रूप से सम्पादित करने में मदद मिल सके। वे कई बार दिल्ली जाकर कुंभ मेले के लिए अनुदान की गुहार लगा भी चुके हैं। लेकिन जब कहीं से कोई सुनवाई नहीं होती देख मुख्यमंत्री ने प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी का दरवाजा भी खटखटाया, जहां से उन्हें आश्वासन तो मिला लेकिन अभी अनुदान का इन्तजार है। पिछले साल भी मुख्यमंत्री ने वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण से भेंट कर कुंभ मेला के लिए 5,000 करोड़ रुपए की वनटाइम ग्रांट यथाशीघ्र प्रदान करने का अनुरोध किया था। कुंभ मेले में अब सिर्फ 5 माह का ही समय है और उससे पहले सारी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। उसे उम्मीद है कि केन्द्र की ओर से अनुदान जल्द ही मिल जाएगा।

कुंभ से जुड़ी मान्यता

कुंभ के संबंध में समुद्र मंथन की कथा प्रचलित है। जिसके अनुसार प्राचीन समय में महर्षि दुर्वासा के शाप की वजह से एक बार स्वर्ग श्रीहीन यानी स्वर्ग से ऐश्वर्य, धन, वैभव सब विलुप्त हो गया था। तब सभी देवता भगवान विष्णु की शरण में गए। विष्णुजी ने उन्हें असुरों के साथ मिलकर समुद्र मंथन करने का सुझाव दिया। उन्होंने बताया कि समुद्र मंथन से अमृत निकलेगा, अमृत पान से सभी देवता अमर हो जाएंगे। देवताओं ने ये बात असुरों के राजा बलि को बताई तो वे भी समुद्र मंथन के लिए तैयार हो गए। इस मंथन से वासुकि नाग की नेती बनाई गई और मंदराचल पर्वत की सहायता से समुद्र को मथा गया था। इसी संदर्भ में एक अन्य कथा दैत्यगुरु शुक्राचार्य द्वारा शिव का तप कर 'संजीवनी' मंत्र प्राप्त कर लेना था, जिससे वे युद्ध में मृत दैत्यों को पुनः जीवनदान देने में समर्थ हो गए। इससे देवताओं में निराशा छा गई। तब श्री विष्णु ने उन्हें समुद्र मंथन के लिए दैत्यों को राजी करने और आगे काम उन पर छोड़ देने को कहा।

समुद्र मंथन में 14 रत्न निकले थे। इन रत्नों में कालकूट विष, कामधेनु, उच्चैश्रवा घोड़ा, ऐरावत हाथी, कौस्तुभ मणि, कल्पवृक्ष, अप्सरा रंभा, महालक्ष्मी, वारुणी देवी, चंद्रमा, पारिजात वृक्ष, पांचजन्य शंख, भगवान धनवंतरि अपने हाथों में अमृत कलश लेकर निकले थे।

जब अमृत कलश निकला तो सभी देवता और असुर अमृत पान करना चाहते थे। अमृत के लिए देवताओं और दानवों में युद्ध होने लगा। इस दौरान कलश से अमृत की बूंदें चार स्थानों हरिद्वार, प्रयाग, नासिक और उज्जैन में गिरी थीं। ये युद्ध 12 वर्षों तक चला था, इसलिए इन चारों स्थानों पर हर 12-12 वर्ष में एक बार कुंभ मेला लगता है। इस मेले में सभी अखाड़ों के साधु-संत और सभी श्रद्धालु यहां की पवित्र नदियों में स्नान करते हैं। अन्ततः विष्णु ने मोहिनी रूप धारण कर अमृत कलश दैत्यों से ले लिया था देवताओं को अमृत पान करवा कर उन्हें अमरत्व प्रदान किया।

बारिश में संक्रमण से बचें

बारिश अपने साथ नाना प्रकार के रोग और मौसमी संक्रमणों का खतरा लाती है। इस बार कोरोना वायरस के विश्वव्यापी प्रसार के कारण घर-परिवार को संक्रमण से बचाकर रखना पहले की अपेक्षा अब ज़्यादा ज़रूरी हो गया है। बारिश के दौरान किन बातों का रखें ध्यान- आइयें, जानें स्वाति गौड़ से।

कई तरह के कीटाणु और सूक्ष्मजीव हमारे साथ रहते आए हैं। बरसात में इनकी संख्या तेजी से बढ़ने लगती है। थर्मल इंसुलेशन न होना, साफ-सफाई की कमी, धूप का ठीक से न आना, घरों में ताजी हवा की आवाजाही न होने से सीलन और नमी पैदा हो जाती है, जिससे फंगस एक बड़ी समस्या बन जाती है। ज्यादा नमी और सीलन का खामियाजा दीवारों से लेकर चमड़े की वस्तुओं और फर्नीचर तक को भुगतना पड़ता है। सेहत पर भी बुरा असर होता है। घर में सीलन होने से अल्रनारिया, एस्परजिलस, पेनिसिलियम और क्लोडोस्पोलियम जैसी फंगल प्रजातियां पनपने लगती हैं, जिससे दमा, डर्मिटाइटिस और राइनाइटिस के संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है।

घर में सीलन भरे स्थानों पर सूक्ष्म जीव ज्यादा पैदा होते हैं। सुबह के मुकाबले दोपहर में बैक्टीरिया अधिक सक्रिय होते हैं। साथ ही सीलन में साइटोटॉक्सिक और इम्यूनोटॉक्सिक सरीखे बैक्टीरिया एवं फंगल प्रजातियां पाई जाती हैं, जो एक जगह बहुत बढ़ने पर हानिकारक तत्व पैदा करती हैं, जिससे सेहत को नुकसान होता है। खासकर जिन्हें भी दमा, एलर्जी, फेफड़ों का संक्रमण या सांस से जुड़ी समस्याएं हैं, उन्हें खास ध्यान रखना चाहिए। कमरे में गीले कपड़े आदि सुखाने से बचना चाहिए। बाहर से घर आने पर हाथ-पैर जरूर धोएं। मानसून में कपड़ों और त्वचा पर कीटाणुओं का साथ देर तक बना रहता है। इसलिए हलके गर्म पानी में एंटीसेप्टिक लिक्विड डालकर नहाएं। शरीर के अंदरूनी हिस्सों की ढंग से सफाई न रखना भी फंगल इन्फेक्शन का खतरा बढ़ाता है। कई बार खुजली की समस्या बहुत बढ़ जाती है। सिरदर्द, चक्कर आना, याददाश्त और एकाग्रता में कमी, थकान और बौद्धिक कार्यक्षमता में कमी जैसी समस्याएं होने लगती हैं, जिसे सिक बिल्डिंग सिंड्रोम(एसबीएल) कहा जाता है।

पनपने न दें कीटों को

ज्यादातर दरवाजों के पीछे, बाथरूम या टॉयलेट में, छत पर, मचान पर या बंद पड़े किसी कमरे में सीलन या फंगस के निशान देखने को मिलते हैं, जहां कीट आसानी से पनपते हैं। यहां नमी व सीलन का ध्यान रखना जरूरी है। समस्या ज्यादा है तो मानसून में कीटनाशक छिड़काव और फ्यूमिगेशन यानी धुआं देकर घर से मच्छरों, मक्खियों और कीटों से छुटकारा पाने में मदद मिल सकती है।

रसोई व स्नानघर में पानी का काम ज्यादा होता है। यहां अगर धूप नहीं पहुंचती तो फंगल व बैक्टीरिया को बढ़ावा मिलता है। इसलिए किचन के फर्श, सिंक, स्लैब, चूल्हे के आसपास के स्थान को सूखा रखने का प्रयास करना चाहिए। सप्ताह में कम से कम एक बार किचन की अच्छे कीटनाशक से सफाई करें।

घर में सीलन भरे स्थानों पर सूक्ष्म जीव ज्यादा पैदा होते हैं। विशेषज्ञों ने शोध में पाया कि सुबह के मुकाबले दोपहर में बैक्टीरिया अधिक सक्रिय होते हैं। साथ ही सीलन में साइटोटॉक्सिक और इम्यूनोटॉक्सिक सरीखे बैक्टीरिया एवं फंगल प्रजातियां पाई जाती हैं, जो एक जगह बहुत बढ़ने पर हानिकारक तत्व पैदा करती है, जिससे सेहत को नुकसान होता है। घर में सीलन भरे स्थानों पर सूक्ष्म जीव ज्यादा पैदा होते हैं। सुबह के मुकाबले दोपहर में बैक्टीरिया अधिक सक्रिय होते हैं। साथ ही सीलन में साइटोटॉक्सिक और इम्यूनोटॉक्सिक सरीखे बैक्टीरिया एवं फंगल प्रजातियां पाई जाती हैं, जो हानिकारक तत्व पैदा कर सेहत को नुकसान पहुंचती हैं।

कपड़ों की देखभाल

नहाने के बाद साफ धुले और सूखे कपड़े पहनें। बारिश में भीगे हुए कपड़े बिना धोए न पहनें। अंडरगारमेन्ट्स साफ धुले हुए और धूप में सूखे हुए ही पहनें। गीले कपड़े पहनना कीटाणुओं के संक्रमण की आशंका को बढ़ा देता है, जिससे फंगल इन्फेक्शन बहुत जल्दी होता है।

शोध

आएगी उम्र बढ़ाने वाली दवा

अमेरिकी वैज्ञानिक इंसान की उम्र बढ़ाने का तरीका खोजने के काफी करीब हैं। दक्षिण कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने एक दवा के अध्ययन में दो बेहद अलग जीवों का जीवनकाल बढ़ाने में सफलता पाई है। वैज्ञानिक दावा कर रहे हैं कि इस तरीके से मानव समेत अन्य प्रजातियों का जीवनकाल भी बढ़ाए जा सकने की संभावना है।

जैविक विज्ञान के प्रोफेसर जॉन टॉवर और उनकी टीम ने ड्रोसोफिला नामक फल मक्खी पर यह अध्ययन किया। उन्होंने मिफेप्रिस्टोन दवा का परीक्षण मादा मक्खियों पर प्रयोगशाला में किया। इस दवा से उन मक्खियों के जीवन की अवधि लंबी होती देखी गई। मिफेप्रिस्टोन दवा को आयु-486 के रूप में भी जाना जाता है, जिसे चिकित्सक शुरुआती गर्भधारण को गिराने के लिए, कैंसर और कुशिंग रोग के इलाज में उपयोग करते हैं।

यह अध्ययन 'जर्नल ऑफ गेरोन्टोलॉजी एण्ड बायोलॉजिकल साइंसेज' में प्रकाशित हुआ है। जिसे इस क्षेत्र की बड़ी खोज माना जा रहा है।

चांद पर मौजूद था लावा का समुद्र

वर्तमान में चांद एक सख्त और पथरीला पिंड है। लेकिन, एक हालिया शोध में खुलासा हुआ है कि करोड़ों साल पहले चांद में तरल लावा का बहुत बड़ा समुद्र मौजूद था। अमेरिकी वैज्ञानिकों को एक नए मॉडल से पता चला है कि 20 करोड़ साल पहले चांद पर तरल लावा का समुद्र मौजूद था, जो धीरे-धीरे ठोस और सख्त हो गया। वैज्ञानिकों ने चांद की सतह में मौजूद लो थर्मल कन्डक्टिविटी को देखा तो पाया कि चांद के पत्थरों में लावा के अंश पाए गए हैं। यह भी पता चला कि चांद पूर्व में लगाए गए अनुमान की तुलना में 8.5 करोड़ साल युवा है यानि चांद की उम्र 8.5 करोड़ साल कम है।

कांग्रेस का यह दुर्भाग्य है कि अभी तक इसमें नेताओं, दलालों, ठेकेदारों और दबंग जातियों की लूट का आलम है। राजीव गांधी के शब्दों में कहें तो अब समय आ गया है कि कांग्रेस अपने ईमानदार, युवा और समर्पित कार्यकर्त्ताओं को आगे बढ़ाए और सेवा तथा संघर्ष का जागरूक अभियान चलाए। देश में लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए कांग्रेस का राष्ट्रीय जनाधार मज़बूत होना ज़रूरी है।

कांग्रेस की दुविधा ही भाजपा की सुविधा

✍ वेदव्यास

महात्मा गांधी के नेतृत्व में देश की स्वतंत्रता का संग्राम लड़ने वाली महान कांग्रेस पार्टी, अपनी स्थापना के 134 साल बाद 2014 से लगातार बुरे दिनों की चुनौतियों से गुजर रही है। कोई दो साल से पार्टी अपना केन्द्रीय नेतृत्व ही तय नहीं कर पा रही है। परिणाम ये है कि शासनाधीन बचे पंजाब, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और पुडुचेरी राज्यों में भी कांग्रेस पार्टी अपार चुनौतियों से घिरी हुई है और संगठन तथा सरकार के दो अलग-अलग रास्तों में उसका सामान्य कार्यकर्ता दिशाहीन होकर भटक रहा है। कांग्रेस की ये दुविधा ही आज भाजपा की सुविधा है। क्योंकि कांग्रेस पार्टी 1947 के बाद लगातार केन्द्र और अधिकांश राज्यों में कोई 55 साल तक एक छत्र शासन-प्रशासन पर सवार रही है, इसलिए कांग्रेस की कई पीढ़ियां सेवा और संघर्ष के अपने इतिहास को भूल गई हैं। स्थिति अब ये बन गई है कि कांग्रेस में सरकार ही सब कुछ है और संगठन का महत्व गौण हो गया है। सरकार के कामकाज को आम जनता तक पहुंचाने का काम अब संगठन कार्यकर्ता की जगह करोड़ों-करोड़ रुपयों के विज्ञापनों से कम्पनियों के ठेकेदार ही कर रहे हैं। हम राजस्थान को संकट के वर्तमान दौर में कांग्रेस के लिए सबसे अधिक उम्मीदों से भरा राज्य मानते हैं क्योंकि यहां के मुख्यमंत्री, कांग्रेस के ऐसे सिपाही हैं जिन्हें सबसे पहले इंदिरा गांधी ने पहचाना था और वे फिर तीन केन्द्र सरकारों में मंत्री, फिर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष और जाने कितने पदों पर रहकर अब तीसरी बार मुख्यमंत्री हैं। अशोक गहलोत मूलत: संगठन की मज़बूती का संघर्ष करके आगे आए हैं और आज भी ये ही मानते हैं कि संगठन और कार्यकर्ता ही कांग्रेस की ताकत है। लेकिन आज कांग्रेस सरकार और कांग्रेस संगठन के बीच जो शीतयुद्ध चला है वो कांग्रेस कार्यकर्ताओं का मनोबल, विश्वास और सपना तोड़ने वाला है। केन्द्रीय नेतृत्व जो जैसा-कैसा भी है, वो ये तय नहीं कर पा रहा है कि कांग्रेस की नाव को किस खूंटे से बांधा जाए? परिणाम ये है कि अशोक गहलोत अपनी बेदाग छवि को दांव पर लगाकर चुनौतियों के तूफान में अकेले ही भाजपा की केन्द्र सरकार से उत्पीड़ित जनता के लिए जूझ रहे हैं।

कांग्रेस को ऐसे में इस बात को नहीं भूलना चाहिए कि 2014 के बाद अब वो आसमान से नीचे गिरकर खजूर में अटक गई है। कांग्रेस जहां लोकसभा और राज्यसभा में प्रभावहीन है वहां उसे अधिकांश बड़े राज्यों में तीसरे-चौथे नंबर का विपक्ष बनकर अपना अस्तित्व बचाना भी मुश्किल पड़ रहा है। ऐसे में कांग्रेस का मनोबल टूटने से देश का लोकतंत्र और संविधान कमजोर हुआ है और देश एक तरह के सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक एवं राजनैतिक आपातकाल जैसी तानाशाही से लड़ रहा है। इस अंधेरे में रोशनी की तलाश का दूसरा नाम ही आज 2020 में राजस्थान है क्योंकि यहां अशोक गहलोत अपनी अनुभवपूर्ण तीसरी पारी खेल रहे हैं और भीतर तथा बाहर के दोनों

मोर्चों पर लड़ रहे हैं। कांग्रेस को भी बचाओ, खुद को भी बचाओ और आम जनता को भी बचाओ जैसा माहौल है राजस्थान में। राज्य की आर्थिक सामाजिक ताकत को कोरोना-19 के 150 दिन से जारी संकट ने जहां भारी नुकसान कर दिया है वहां प्रवासी मजदूर, बेरोजगारी, भुखमरी, भ्रष्टाचार ने भी लोक कल्याण की सभी योजनाओं की कमर तोड़ दी है। फिर भी राजस्थान में आज भी बुरे दिनों की ऐसी अच्छी सरकार है जिसे आम आदमी चाहता है। इसी तरह की अनेक छोटी-छोटी बातों को समझकर हम ये कहना चाहते हैं कि कांग्रेस अपने पार्टी संगठन और गांव-गांव में फैले कार्यकर्ताओं को सम्मान, संवाद तथा सद्भाव से भागीदारी देकर मिशन-2023 के चुनावी महाभारत को नया अभियान बनाए। क्योंकि समय बदल गया है। कांग्रेस का ये पुराना दुर्भाग्य है कि अभी तक इसमें नेताओं, दलालों, ठेकेदारों और दबंग जातियों की लूट का आलम है। राजीव गांधी के शब्दों में अब समय आ गया है कि कांग्रेस अपने ईमानदार, युवा और समर्पित कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ाए और सेवा तथा संघर्ष का जागरूक अभियान चलाए। एक बार मुख्यमंत्री बनना और दूसरी बार हार जाना ये ही तो बताता है कि आम जनता का मन लगातार जीतना जरूरी है ताकि प्रदेश शांति से मजबूत होता रहे। संकट में महात्मा गांधी और अपने भारत निर्माण के योगदान को याद करना भी कांग्रेस के लिए जरूरी है क्योंकि कांग्रेस की गलतियों से ही देश में संघ परिवार+जनसंघ+भाजपा का और क्षेत्रीय, जातीय तथा व्यक्तिवादी दलों का उदय हुआ है और कांग्रेस के सितारे जमीन पर आए हैं। मैं ये बातें इसलिए भी कह रहा हूं कि देश में लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए कांग्रेस का राष्ट्रीय जनाधार मजबूत होना जरूरी है। विपक्ष का मजबूत होना भी कांग्रेस की रणनीति होनी चाहिए और अशोक गहलोत इस संवाद, संघर्ष, सेवा और संगठन की व्यूह रचना में आज के दिन राष्ट्रीय स्तर पर पहचान रखते हैं। याद रहे कि कांग्रेस के भविष्य को 2023-24 की चुनावी महाभारत ही आगे तय करेगी।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

नई नियुक्तियां

जितेन्द्र उपाध्याय, आयुक्त
जनजाति क्षेत्रीय विकास सहकारी संघ
राजस्थान, उदयपुर

कमर-उल-जमान चौधरी
आयुक्त, नगर निगम, उदयपुर

राजेन्द्र भट्ट
आयुक्त, देवस्थान विभाग
राजस्थान, उदयपुर

डॉ. मंजू चौधरी
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
जिला परिषद् , उदयपुर

चेतनराम देवड़ा
जिला कलेक्टर, उदयपुर

अरूण मिश्र
सीईओ, हिन्दुस्तान जिंक लि.
उदयपुर

अंकित कुमार सिंह
जिला कलेक्टर, बांसवाड़ा

अरूण व्यास
परियोजना निदेशक (आवासन)
रूडसिको, जयपुर

आज़ादी की अंतिम जंग
अगस्त 1942 की क्रांति

✍ हर्षिता नागदा

द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान भारतीयों से समर्थन लेने के बावजूद जब ब्रिटिश हुकूमत भारत को स्वतंत्र राष्ट्र घोषित करने से पीछे हट गई तो महात्मा गांधी ने अगस्त 1942 में 'भारत छोड़ो आन्दोलन' के रूप में अंग्रेजों से आज़ादी हासिल करने के लिए निर्णायक जंग का ऐलान कर दिया। यह आन्दोलन इतना प्रभावी था कि ब्रितानिया हकूमत दहल उठी और उसे अन्ततोगत्वा भारत को आज़ाद कर अपने वतन लौट जाने की प्रक्रिया शुरू करनी पड़ी।

भारत छोड़ो आन्दोलन की शुरुआत नौ अगस्त 1942 को हुई थी इसीलिए इतिहास में नौ अगस्त के दिन को अगस्त क्रांति दिवस के रूप में जाना जाता है। मुम्बई के जिस पार्क से यह आन्दोलन शुरू हुआ उसे अब अगस्त क्रांति मैदान के नाम से जाना जाता है। अंग्रेजों को देश से भगाने के लिए चार जुलाई 1942 को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें कहा गया कि यदि अंग्रेज भारत नहीं छोड़ते हैं तो उनके खिलाफ व्यापक स्तर पर नागरिक अवज्ञा आन्दोलन चलाया जाए।

इस प्रस्ताव को लेकर हालांकि पार्टी के भीतर मतभेद पैदा हो गए और प्रसिद्ध कांग्रेसी नेता चक्रवर्ती राजगोपालाचारी ने पार्टी छोड़ दी। पंडित जवाहरलाल नेहरू और मौलाना आजाद प्रस्तावित आन्दोलन को लेकर शुरुआत में संशय में थे, लेकिन उन्होंने महात्मा गांधी के आह्वान पर अंत: इसके समर्थन का फैसला किया। उधर सरदार वल्लभभाई पटेल और डॉ. राजेन्द्र प्रसाद यहां तक कि अशोक मेहता और जयप्रकाश नारायण जैसे वरिष्ठ गांधीवादियों और समाजवादियों ने इस तरह के किसी भी आन्दोलन का खुलकर समर्थन किया।

आन्दोलन के लिए कांग्रेस को सभी दलों को एक झंडे तले लाने में सफलता नहीं मिली। मुस्लिम लीग, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी और हिन्दू महासभा ने इस आह्वान का विरोध किया। आठ अगस्त 1942 को अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के बम्बई सत्र में 'भारत छोड़ो आन्दोलन' का प्रस्ताव पारित किया गया। ब्रितानिया हुकूमत इस बारे में पहले से ही सतर्क थी इसलिए अगले ही दिन गांधीजी को पुणे के आगा खान पैलेस में कैद कर दिया गया। कांग्रेस कार्यकारी समिति के सभी कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर अहमदनगर किले में बंद कर दिया गया। लगभग सभी नेता गिरफ्तार कर लिए गए लेकिन युवा नेत्री अरुणा आसफ अली हाथ नहीं आई और उन्होंने 9 अगस्त 1942 को मुम्बई के गवालिया टैंक मैदान में तिरंगा फहराकर गांधीजी के भारत छोड़ो आन्दोलन का शंखनाद कर दिया।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि 9 अगस्त 1925 को ब्रिटिश सरकार का तख्ता पलटने के उद्देश्य से क्रांतिकारी रामप्रसाद बिस्मिल के नेतृत्व में हिन्दुस्तान प्रजातंत्र संघ के दस जुझारू कार्यकर्त्ताओं ने लखनऊ के निकट काकोरी रेलवे स्टेशन पर भारतीयों से टेक्स के रूप में जमा कोष को चलती हुई ट्रेन से लूट लिया था। उसी यादगार को ताजा रखने के लिए 1942 में निर्णायक जंग के लिए भी इसी तारीख को चुना गया। इस जनान्दोलन में सरकारी आंकड़ों के अनुसार 900 से अधिक लोग मारे गए, 1600 से अधिक घायल हुए और 18000 हजार डीआईआर में नज़रबंद किए गए तथा 60229 लोग गिरफ्तार हुए। शहीदों को सादर नमन।

चीनी सामान के बहिष्कार का आह्वान

बॉलीवुड क्वीन कंगना राणावत अक्सर हर मुद्दे पर अपनी राय बेबाकी से रखती हैं, चाहे बॉलीवुड जगत से जुड़ा कोई मामला हो या फिर देश से जुड़ा कोई मसला। हाल ही में देश भर में चाइना को लेकर उबाल देखा जा रहा है। सरहद पर भारत चीन सेना के बीच तनातनी को लेकर देशवासियों में चाइना को लेकर नाराजगी है। हर तरफ से चाइना और चाइनीज सामान का बहिष्कार करने की मांग उठ रही है। कंगना रानौत ने भी इस मुद्दे पर मुखर होकर अपनी राय रखी है। कंगना की टीम ने उनके इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है। जिसमें कंगना सभी से चाइनीज प्रोडक्ट के बहिष्कार को कह रही हैं। कंगना ने कहा - अगर कोई हाथ से हमारी उंगलियों को काटने की कोशिश करे तो कैसा कष्ट होगा? वही कष्ट पहुंचाया है चाइना ने हमें लद्दाख पर अपनी नजरें गड़ा कर। वहां हमारी सीमा को एक-एक इंच बचाने के लिए हमारे 20 जवान शहीद हो गए। कंगना ने कहा - क्या ये सोचना ठीक है कि सिर्फ सेना युद्ध करती है, इसमें हमारा कोई योगदान नहीं है? क्या हम भूल गए हैं वो वक्त जब महात्मा गांधी जी ने कहा था कि अगर अंग्रेजों की रीढ़ तोड़नी है तो उनके बनाए गए हर उत्पादन का बहिष्कार करना होगा। क्या यह जरूरी नहीं कि हम भी इस युद्ध में हिस्सा लें क्योंकि लद्दाख सिर्फ एक जमीन का टुकड़ा नहीं बल्कि भारत की अस्मिता का बड़ा हिस्सा है। कंगना ने आगे कहा - हमें चाइनीज प्रोडक्ट का बहिष्कार करना होगा ताकि यहां से कमाई हुई सम्पत्ति से हथियार खरीदकर चाइना हमारे ही सैनिकों पर हमला ना कर पाए। हमें प्रतिज्ञा लेनी होगी कि हम चाइनीज प्रोडक्ट का बॉयकॉट करेंगे।

योग सीख रही दीपिका

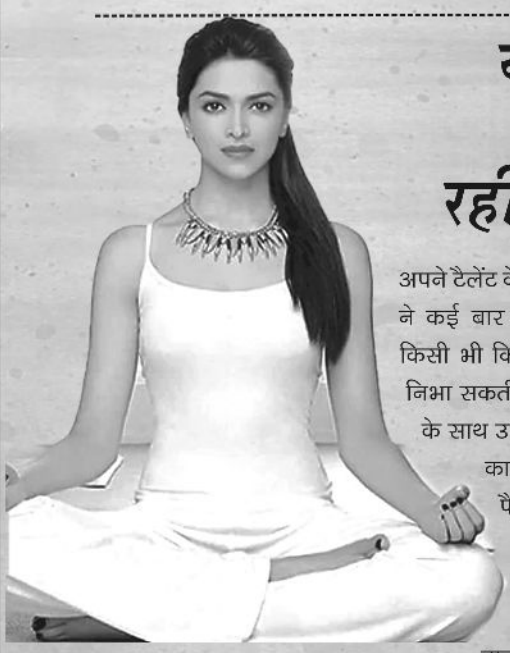

अपने टैलेंट के दम पर दीपिका पादुकोण ने कई बार साबित किया है कि वह किसी भी किरदार को पूरी लगन से निभा सकती है। जब से शकुन बत्रा के साथ उनकी आने वाली फिल्म का ऐलान किया गया है, फैन्स यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि दीपिका इस बार क्या नया करने वाली है। अब खबर है कि दीपिका ने हाल ही में अपने किरदार की तैयारी के रूप में योग सीखना शुरू किया है। एक करीबी सूत्र के अनुसार, शकुन बत्रा के निर्देशन में बनने वाली फिल्म के लिए शूटिंग शुरू करने से पहले, दीपिका पादुकोण योग प्रशिक्षण ले रही हैं। हालांकि यह अभी तक समझ नहीं आया है कि योग फिल्म में उनकी किस तरह मदद करेगा, क्योंकि फिलहाल उनके किरदार के बारे में ज्यादा कुछ जानकारी नहीं है। केवल इतना पता है कि उन्होंने हाल ही में इसके लिए ट्रेनिंग शुरू कर दी है।

विकास दुबे एनकाउंटर पर फिल्म

देशभर में विकास दुबे एनकाउंटर इस वक्त सबसे ज्यादा चर्चा में है। आठ पुलिस वालों को मार कर भागा विकास दुबे 10 जुलाई की सुबह पुलिस के एनकाउंटर में मारा गया। पुलिस का कहना है कि उज्जैन से कानपुर ले जाते वक्त पुलिस की गाड़ी का एक्सीडेंट हुआ। गाड़ी पलट गई और पुलिस का हथियार छीन विकास दुबे भागने लगा। ऐसे में यूपी एसटीएफ को उसका एनकाउंटर करना पड़ा। पिछले कई दिनों से विकास दुबे लगातार सुर्खियां बटोर रहा था। यूपी पुलिस जब इसे गिरफ्तार करने पहुंची तो इसने अपने गुर्गों के साथ एक साथ 8 पुलिस वालों को गोलियों से भून डाला। उसके बाद से ये फरार चल रहा था। उज्जैन के महाकाल मंदिर से पुलिस ने इसे गिरफ्तार किया और फिर फिल्मी अंदाज में इसका एनकाउंटर हुआ। जिस गैंगस्टर की कहानी इतनी फिल्मी हो उस पर बॉलीवुड की नजर तो पड़नी ही थी। विकास दुबे एनकाउंटर र भोंसले फिल्म के प्रोड्यूसर संदीप कपूर को फिल्म ाने का आइडिया आया है। उन्होंने ट्विटर पर इसका ान भी कर दिया और मनोज वाजपेयी को विकास दुबे रोल भी ऑफर कर दिया। संदीप कपूर ने एक ट्वीट या जिसमें उन्होंने लिखा - जो भी आज एनकाउंटर में हुआ वो बिल्कुल सिनमैटिक और ड्रैमैटिक है।

✍ संजय सांखला

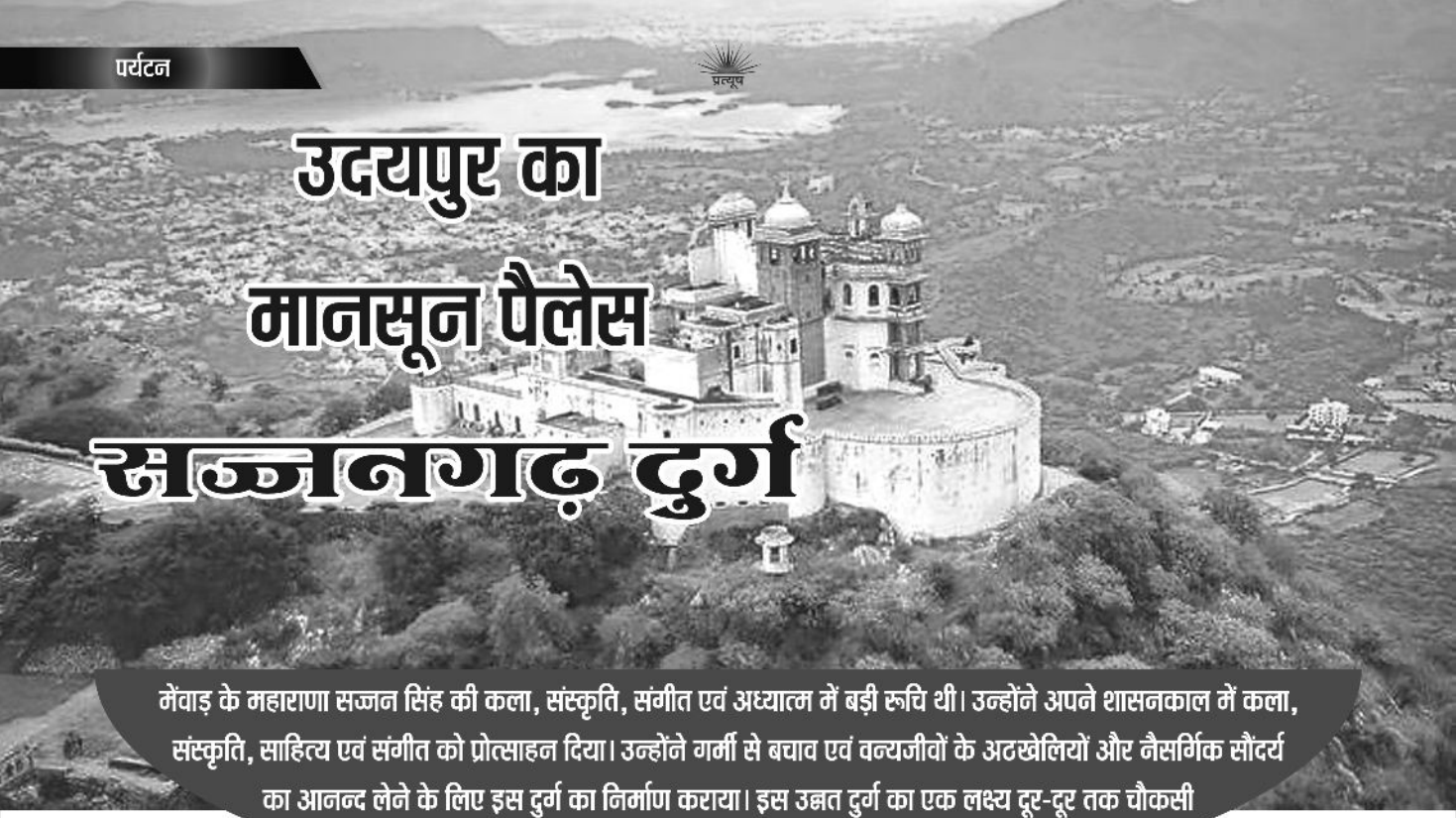

उदयपुर का मानसून पैलेस सज्जनगढ़ दुर्ग

मेंवाड़ के महाराणा सज्जन सिंह की कला, संस्कृति, संगीत एवं अध्यात्म में बड़ी रूचि थी। उन्होंने अपने शासनकाल में कला, संस्कृति, साहित्य एवं संगीत को प्रोत्साहन दिया। उन्होंने गर्मी से बचाव एवं वन्यजीवों के अठखेलियों और नैसर्गिक सौंदर्य का आनन्द लेने के लिए इस दुर्ग का निर्माण कराया। इस उन्नत दुर्ग का एक लक्ष्य दूर-दूर तक चौकसी तथा शत्रुओं की आहट पाते ही उन पर तत्काल आक्रमण करना भी था।

✍ पन्नालाल मेघवाल

अरावली की उपत्यकाओं की हरी-भरी वादियों में बसे राजस्थान के उदयपुर शहर का मणि मुकुट, मानसून पैलेस सज्जनगढ़ पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र है। यहां देशी-विदेशी पर्यटक इसके पुरातन महत्व, भव्यता एवं प्राकृतिक सौंदर्य को निहारने के लिए खींचे चले आते हैं।

उदयपुर में पर्यटक चाहे पूर्व में देबारी की ओर से, पश्चिम में झाड़ोल (फलासिया)-सीसारमा की ओर से, उत्तर में एकलिंगजी-चीरवा घटे की ओर से, दक्षिण में केवड़ा की नाल की ओर से प्रवेश करें, उदयपुर शहर का यह सिरमौर दूर से ही अपनी कीर्ति-पताका फहराता दिखाई देता है। शहर के उत्तर-पश्चिमी छोर पर बने दुर्ग के चारों तरफ लगी फ्लड लाइटों से दुर्ग रात्रि में भी दूर से अपनी ऐतिहासिक भव्यता का दिग्दर्शन कराता है।

सज्जनगढ़ दुर्ग उदयपुर शहर के समीप भूमितल से एक हजार सौ फीट एवं समुद्रतल से तीन हजार सौ फीट ऊंचे पहाड़ पर स्थित है। इसका निर्माण महाराणा सज्जनसिंह ने अपने शासनकाल (सन् 1874-1884) के दौरान सन् 1883 में करवाया। उनके कार्यकाल के कुछ अधूरे रहे कार्यों को उनके उत्तराधिकारी महाराणा फतहसिंह ने दुर्ग की सुदृढ़ प्राचीर बनवाने के साथ पूर्ण करवाया।

यह दुर्ग दो मंजिला है। पहली मंजिल पर कई स्तंभों पर बना विशाल सभागार कभी शीशे की कलात्मक कमनीय चित्रकारी के लिए जाना जाता था। यहां झूमर और झूले से अभिमंडित स्तंभों पर कमल के फूल, पत्तियों और नैसर्गिक सौंदर्य की बारीक कलात्मक कारीगरी का अनुपम अंकन पूरे सभागृह को विशेष छवि प्रदान करता था। दूसरी मंजिल पर पारेवा पत्थर से बने दो झरोखे महल की शोभ को द्विगुणित करते थे। यहीं पर रानियां अपनी सखी-सहेलियों के साथ आमोद-प्रमोद करती थीं। इसके आगे आम-खास है - जिसमें महाराणा अपने सभासदों के साथ चर्चा एवं मनोविनाद करते थे।

सज्जनगढ़ दुर्ग के नीचे एक तहखाना है जो रानियों के आवागमन का मार्ग हुआ करता था। दुर्ग में जनाना एवं मर्दाना महल बना हुआ था। दुर्ग में पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए वर्षा के पानी को विशेष पद्धति से स्वच्छ कर हौज में सुरक्षित रखा जाता था। दुर्ग के उत्तरी भाग के सुंदर बगीचे में फव्वारे लगे हैं। दुर्ग तक पहुंचने के लिए घुमावदार पक्की सड़क है।

सज्जनगढ़ की संरचना प्रकृति के सुंदरतम उपहार के रूप में की गई है। वर्षा ऋतु के साथ ही बांसदरा के इस सुरम्य पहाड़ की हरी-भरी वादियों, पेड़-पौधों एवं फूलों की सुगंधित मंद-मंद बयार से ग्रीष्म ऋतु के तपते मौसम में भी यहां लोगों को सुकून मिलता है। महल की छत, झरोखों एवं खुले प्रांगण से दिखने वाला सूर्योदय व सूर्यास्त का नजारा, फतहसागर एवं पिछोला झील की मनोरम छटा, राजमहल एवं शहरी आबादी क्षेत्र के दृश्य तथा चारों ओर पहाड़ियों पर सघन वन के दृश्य अत्यन्त मनोरम और अद्भुत दिखाई देते हैं।

सज्जनगढ़ दुर्ग की तलहटी में वन विभाग ने बायोलॉजिकल पार्क विकसित किया है। जहां अलग-अलग क्षेत्रों की विभिन्न प्रजातियों के वन्यजीव क्लोजर में हैं। जिन्हें देखने मार्च-2020 में लॉकडाउन से पूर्व तक रोजाना बड़ी संख्या में देशी-विदेशी सैलानी आते रहे हैं। अब इस शानदार धरोहर को हालात सामान्य होने पर ही देखा जा सकेगा।

दी उदयपुर अरबन को–ऑपरेटिव बैंक लि.
THE UDAIPUR URBAN CO-OPERATIVE BANK LTD.

Head Office: 9C-A Madhuban, 1st Floor, Udaipur, Rajasthan - 313 004 ☎ 0294-2560783

A Leading Urban Co-operative Bank of Rajasthan

FACILITIES AVAILABLE AT ALL BRANCHES

- UUCB Home Loan Scheme - 8.00%
- UUCB Special Small Loan Scheme - 8.65%
- UUCB Special OD for Housing Loan - 8.50%
- UUCB Trade Scheme - 9.50%
- UUCB Vidhya Education Loan Scheme - 8.00%
- UUCB Vehicle Loan Scheme:
  2 wheeler - 9.50%
  4 wheeler - 8.00%
- UUCB Business Development Scheme :
  SME - 9.00%
  Mining - 9.50%
- UUCB Mortgage Loan Scheme - 10.50%
- UUCB Personal Loan Scheme - 12.00%

OUR BRANCHES IFSC CODE

BRANCH	IFSC	RAJSAMAND	UUCB0786008
DHAN MANDI	UUCB0786002	PANNADHAY MARG	UUCB0786009
BADA BAZAR	UUCB0786003	MADHUBAN	UUCB0786010
FATEHPURA	UUCB0786004	KRISHI MANDI	UUCB0786011
FATEHNAGAR	UUCB0786005	SUKHER	UUCB0786012
SALUMBER	UUCB0786006	AMBAMATA	UUCB0786013
HIRAN MAGRI	UUCB0786007	PRATAPNAGAR	UUCB0786014

website: www.uucbudaipur.com

Banking,
You Can Bank Upon

Qutbuddin Shaikh
Chief Executive Officer

Fida Hussain Safy
Chairman

1857

बजा था, आज़ादी का पहला बिगुल

✍ विष्णु शर्मा हितैषी

आज़ादी कहें या स्वतंत्रता ये ऐसा शब्द है, जिसमें धरती से आसमान तक सर्वस्व समाया है। आज़ादी एक स्वाभाविक भाव है या यूं कहें कि आजादी की चाहत मनुष्य को ही नहीं, जीव-जन्तु और वनस्पतियों में भी होती है। सदियों से भारत अंग्रेजों की दासता में रहा। उनके अत्याचार से जन-जन त्रस्त था। खुली फिजां में सांस लेने को बेचैन भारत में 1857 में आजादी के लिए पहला बिगुल बजा। करीब 200 साल की गुलामी और 90 साल के लम्बे स्वतंत्रता संघर्ष में सरदार भगत सिंह सहित अनगिनत क्रांतिवीरों की कुर्बानी और महात्मा गांधी सहित अनेक नेताओं के अनवरत संघर्ष से आखिर 14 अगस्त 1947 की मध्य रात्रि (15 अगस्त) को लालकिले से ब्रिटिश ध्वज उतरा और भारत का राष्ट्रध्वज तिरंगा आसमान से बातें करने लगा। स्वतंत्रता की 74 वीं सालगिरह पर प्रस्तुत है - बलिदानी क्रान्तिवीरों और आजादी तथा उसके बाद राष्ट्रनिर्माण में समर्पित प्रमुख नेताओं का योगदान।

आजादी का महानायक (02.10.1869 - 30.01.1948)

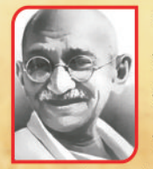

भारत को अंग्रेजों की गुलामी से मुक्ति दिलाने में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण रही है। सत्य, अहिंसा और सत्याग्रह को आधार बनाकर गांधी जी ने देश के लोगों को अहिंसक आन्दोलन के लिए प्रेरित किया। असहयोग आंदोलन, सविनय अवज्ञा आंदोलन, दांडी यात्रा और भारत छोड़ो आन्दोलन जैसे अहिंसक आन्दोलनों की बदौलत महात्मा गांधी ने देश के लोगों को अंग्रेजों के खिलाफ एकजुट करने का काम किया और 15 अगस्त, 1947 को देश को 200 सालों की गुलामी से निजात दिलाने में सफल रहे।

द लीजेंड ऑफ भगत सिंह (28.09.1907-23.3.1931)

भारत के प्रमुख स्वतंत्रता स्वतंत्रता सेनानी भगतसिंह ने जिस साहस के साथ अंग्रेजी हुकूमत का मुकाबला किया, वह आज के युवाओं के लिए बहुत बड़ा आदर्श है। लाहौर में सांडर्स और उसके बाद दिल्ली की सेन्ट्रल असेंबली में भगत सिंह ने अपने साथियों के सहयोग से बम-विस्फोट कर अंग्रेजी साम्राज्य को खुली चुनौती दी। गिरफ्तारी के बाद 23 मार्च, 1931 को इनके दो अन्य साथियों, राजगुरु और सुखदेव के साथ उन्हें फांसी पर लटका दिया गया, जबकि एक और साथी बटुकेश्वर दत्त को आजीवन काला पानी की सजा दी गई।

आजाद की कुर्बानी (23.07.1906 - 27.02.1931)

चंद्रशेखर आजाद 1922 में क्रांतिकारियों से जुड़कर हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन के सदस्य बने। उन्होंने राम प्रसाद बिस्मिल के नेतृत्व में 9 अगस्त, 1925 को काकोरी कांड को अंजाम दिया। वर्ष 1927 में उत्तर भारत की क्रांतिकारी पार्टियों को मिलाकर हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन का गठन किया। वो लाहौर में सांडर्स को मारने के बाद दिल्ली की सेन्ट्रल असेंबली में बम विस्फोट की योजना में भी शामिल थे। 27 फरवरी 1931 को इलाहाबाद के अल्फ्रेड पार्क में पुलिस से घिरने के बाद उन्होंने खुद को गोली मार ली।

पंजाब केसरी की शहादत (28.1.1865 - 17.11.1928)

लाला लाजपतराय भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के गरम दल के प्रमुख नेताओं में से एक थे। बाल गंगाधर तिलक और बिपिन चन्द्र पाल के साथ इन्होंने ही सबसे पहले भारत में स्वराज की मांग की थी। 30 अक्टूबर 1928 को लाहौर में साइमन कमीशन के विरोध में हुए प्रदर्शन के दौरान लाठीचार्ज में लाला लाजपतराय बुरी तरह से घायल हो गए थे। उस समय उन्होंने कहा था कि मेरे शरीर पर पड़ी एक-एक लाठी अंग्रेजों की हुकूमत के ताबूत में एक-एक कील का काम करेगी। नवम्बर, 1928 को वे शहीद हो गए।

बेमिसाल 'बिस्मिल' (11.06.1897 - 19.12.1927)

राम प्रसाद 'बिस्मिल' महान क्रांतिकारी, अग्रणी स्वतंत्रता सेनानी एवं उच्च कोटि के कवि, शायर, अनुवादक, बहुभाषी, इतिहासकार व साहित्यकार थे। जिन्होंने भारत की आजादी के लिये अपने प्राणों की आहुति दे दी। अपने क्रांतिकारी जीवन में उन्होंने कई पुस्तकें लिखीं, जिनमें से 11 उनके जीवन काल में प्रकाशित भी हुई। ब्रिटिश सरकार ने उन सभी पुस्तकों को जब्त कर लिया। काकोरी ट्रेन डकैती कांड में शामिल होने के कारण अंग्रेजी हुकूमत ने 19 दिसम्बर 1927 को बिस्मिल को फांसी दे दी।

19 की उम्र में शहीद (03.12.1889 - 11.08.1908)

पश्चिम बंगाल के मिदनापुर में जन्मे खुदीराम के मन में आजादी के प्रति बचपन से लगन थी। 1905 में बंग-भंग आंदोलनकारियों को कलकत्ता के न्यायाधीश किंग्जफोर्ड ने क्रूर दंड दिए। खुदीराम और प्रफुल्ल चाकी ने किंग्जफोर्ड को मारने की योजना बनाई, लेकिन किंग्जफोर्ड की गाड़ी जैसी ही दूसरी गाड़ी पहले आ गई और इस बम हमले में किंग्जफोर्ड बच गया। बाद में खुद को पुलिस से घिरा देख प्रफुल्ल ने खुद को गोली मार ली, जबकि गिरफ्तारी के बाद खुदीराम बोस को फांसी दे दी गई। इस समय खुदीराम की उम्र मात्र 19 वर्ष थी।

खूब लड़ी मर्दानी .... (19.11.1835 - 18.05.1858)

मार्च, 1857 को अंग्रेजों ने झांसी पर चढ़ाई की, तो झांसी के किले से 8 दिन तक तोपें आग उगलती रहीं। अंग्रेज सेनापति ह्यूरोज भी लक्ष्मीबाई की किलेबंदी देख दंग रह गया। दत्तक पुत्र को पीठ पर बांधकर वह लड़ती रहीं। सिपहसालारों की सलाह पर वह पहले कालपी और फिर ग्वालियर आ गई। 17 जून को फिर युद्ध हुआ। लक्ष्मीबाई ने दत्तक पुत्र को देखमुख को सौंपा, लेकिन खुद उनका घोड़ा सोनरेखा नाले को पार नहीं कर सका, तभी पीछे से अंग्रेज सैनिक ने भीषण प्रहार किया। इस युद्ध में इस वीरांगना ने वीरगति प्राप्त की।

शेष पेज 29 पर ...

INDIRA IVF
FERTILITY & IVF CENTRE

माँ से ममता की राह आसान

निःसंतान दम्पितयों हेतु आई.वी.एफ. एक वरदान

कौन दम्पति सम्पर्क कर सकते है?

- नलियों में रूकावट या अन्य कोई खराबी होना
- उम्रदराज महिलाओं में मासिक धर्म का बंद होना
- अंडों का न बनना एवं अंडों का समय पर न फूटना
- माहवारी अनियमित होना अंडों का समय पर न फूटना

Helpline : 07665009964 / 65
Website : www.indiraivf.com

ADVANCED FERTILITY TREATMENT

- Blocked Tubes
- Egg Problem
- Low Sperm Count
- Old Age

इन्दिरा आईवीएफ हॉस्पीटल प्राइवेट लिमिटेड

44 अमर निवास, एम.बी. कॉलेज के सामने, कुम्हारों का भट्टा, एयरपोर्ट रोड, उदयपुर

निःसंतानता एवं आईवीएफ से जुड़ी सभी जानकारी के लिए सीधे सम्पर्क / कॉल करें ✆ 766 5018 650

उपलब्ध सेवा : फर्टिलिटी जाँच • IUI • IVF • ICSI • लेजर हेचिंग • ब्लास्टोसिस्ट • हिस्ट्रोस्कोपी • लेप्रोस्कोपी • डोनर सर्विसेज

- 83 Centres PAN India
- Treatment protocol as per individual need
- Patient friendly treatment options

'बेटी बचाओ/बेटी पढ़ाओ' अभियान में सहयोग करें। भ्रूण लिंग परीक्षण करवाना जघन्य अपराध है, यह कार्य हमारे यहां नहीं किया जाता है।

Disclaimer : The models used in the creative is just for illustration purpose only.

पेज 27 का शेष...

आजाद हिन्द फौज के नेता (23.01.1897 - 1945)

सुभाष चन्द्र बोस स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी नेता थे। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने के लिए उन्होंने जापान के सहयोग से 21 अक्टूबर 1943 को आजाद हिन्द फौज का गठन किया। उनके द्वारा दिया गया 'जय हिन्द' का नारा देश का राष्ट्रीय नारा बन गया। 23 अगस्त 1945 को जापान ने दुनिया को खबर दी कि 18 अगस्त को हुई हवाई दुर्घटना में सुभाष बुरी तरह से घायल हो गए थे और उन्होंने अस्पताल में अंतिम सांस ली। हालांकि उनकी मृत्यु पर एक लम्बे समय तक संशय बना रहा। उन्होंने स्वतंत्रता संघर्ष के दौरान युवाओं को यह कहकर प्रेरित किया कि 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा।'

प्रथम स्वतंत्रता सेनानी (19.07.1827 - 08.04.1857)

आजादी की पहली लड़ाई अर्थात 1857 के विद्रोह की शुरुआत उस समय हुई, जब गाय व सुअर की चर्बी लगे कारतूस लेने से सैनिक मंगल पांडे ने इनकार कर दिया। अंग्रेज अधिकारी ने मंगल पांडे के हथियार छीने जाने और वर्दी उतारने का आदेश दिया। इस पर एक अंग्रेज सैनिक आगे बढ़ा लेकिन मंगल पांडे ने उसे गोली मार दी। मंगल पांडे को गिरफ्तार कर 8 अप्रेल 1857 को फांसी दे दी गई। लेकिन विद्रोह की यह चिंगारी बुझी नहीं। 10 मई 1857 को ही मेरठ छावनी में बगावत हो गई, जो देखते-देखते पूरे उत्तरी भारत में फैल गई।

लौह पुरुष (31.10.1875 - 15.12.1950)

आजादी मिलने के बाद भारत देश का आज जो भी लोकतांत्रिक और संघीय ढांचा है, उसे संवारने में लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की अहम भूमिका रही है। भारत का बिस्मार्क कहे जाने वाले सरदार पटेल ने अपने रणनीतिक कौशल की बदौलत जम्मू-कश्मीर, जूनागढ़ और हैदराबाद समेत 500 से ज्यादा छोटी-बड़ी रियासतों का एकीकरण करने में सफलता प्राप्त की। जम्मू-कश्मीर से लेकर कन्या कुमारी तक देश को एक सूत्र में रूप में पिरोने में सरदार पटेल का योगदान अतुलनीय रहा है।

आधुनिक भारत के जनक (23.07.1856 - 01.08.1920)

बाल गंगाधर तिलक को आधुनिकम भारत का निर्माता कहा जाता है। पूर्ण स्वराज की मांग उठाने वाले तिलक का नारा 'स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूंगा' उस समय हर भारतीय का नारा था। उन्होंने बाल विवाह का विरोध किया और शिक्षा सुधार के लिए 'दक्खन शिक्षा सोसायटी' स्थापित की। भारतीयों में स्वतंत्रता की चेतना जगाने के लिए मराठा और केसरी नामक दैनिक समाचार पत्र भीशुरू किए। अपने लेखों के चलते अंग्रेज सरकार ने उन्हें कई बार जेल भी भेजा। 1 अगस्त 1920 को उनकी मृत्यु हो गई।

प्रथम प्रधानमंत्री (14.11.1889 - 27.05.1964)

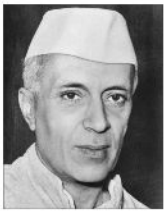

आजादी की जंग में सक्रिय रहने और ब्रिटिश शासन से मुक्ति के बाद देश में लोकतंत्र को स्थापित करने, देश का नया संविधान बनाने, पंचायती राज व्यवस्था लागू करने और देश के विकास के लिए मिश्रित अर्थव्यवस्था का मॉडल लागू करने में जवाहरलाल नेहरू की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका रही है। आजादी के बाद सांप्रदायिकता की आग में झुलस रहे देश को एक स्थाई नेतृत्व देने के साथ-साथ शांति स्थापित करने में नेहरू ने अहम भूमिका निभाई। देश की अर्थव्यवस्था, कानून व्यवस्था और देश के आंतरिक ढांचे को सुधारने के साथ ही देश की राजनीति व राष्ट्र निर्माण को एक नई दिशा दी।

किसानों के रहनुमा (02.10.1904 - 11.01.1966)

देश के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने नेहरू की समाजवादी नीतियों को कायम रखते हुए देश के किसानों की खुशहाली के अथक प्रयास किए। देश को खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर बनाने के लिए हरित क्रांति की सफलता में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनके दिए गए नारे 'जय जवान-जय किसान' ने देश के किसानों को गौरवान्वित होने का मौका दिया। वर्ष 1965 में पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध में हासिल जीत और ताशकंद समझौते ने शास्त्री जी की लोकप्रियता में और भी ज्यादा इजाफा किया।

आयरन लेडी (19.11.1917 - 31.10.1984)

पाकिस्तान में बांग्लादेश को अलग करना और देश में राजतंत्र की कब्र की आखिरी कील के रूप में प्रिवीपर्स की समाप्ति करना इंदिरा गांधी के राजनीतिक कौशल की देन है। हालांकि आपातकाल को उनके तानाशाही रवैये की उपज माना जाता है, लेकिन इसके बावजूद देश के आर्थिक हित में बैंकों के राष्ट्रीयकरण जैसा अनूठा कार्य किया। हमेशा अपने कड़े और तत्काल फैसले लेने के लिए प्रसिद्ध इंदिरा ने वर्ष 1974 में परमाणु परीक्षण करके भारत को विश्व की महाशक्तियों की कतार में शामिल कर दिया था।

प्रत्यूष

अनंत ज्योति से साक्षात्कार की अन्तर्यात्रा संवत्सरी

✍ राजर्षि राजेन्द्र मुनि

पर्व दो प्रकार के माने गए हैं - लोकोत्तर व लौकिक। लोकोत्तर पर्व अनंत ज्योतिर्मय आत्मा के दर्शन की प्रेरणा देते हैं, आत्मलीन बनने का मार्ग प्रशस्त करते हैं। पर्यूषण एक लोकोत्तर पर्व है। जिसके आठ दिन तक आत्मा का उत्सव मनाया जाता है। इसका समापन संवत्सरी कहलाता है, जब श्रावक-श्राविकाएं चौरासी लाख जीव योनि के सभी सूक्ष्म-स्थूल जीवों से मनसा, वाचा, कर्मणा निःशल्य होकर क्षमा याचना करते हैं।

संवत्सरी या पर्यूषण जैन धर्म का सर्वप्रमुख और सर्वश्रेष्ठ पर्व है। यह भारतीय पंचांग के अनुसार प्रतिवर्ष भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि(कभी-कभी चतुर्थी को भी) जप-तप के साथ मनाया जाता है। इसमें जैन साधक(साधु, साध्वी, श्रावक व श्राविका रूपी चार भाव तीर्थ) चार गति व चौरासी लाख जीव योनि के सभी सूक्ष्म-स्थूल जीवों से मनसा, वाचा, कर्मणा निःशल्य होकर क्षमा-याचना करता है और सभी को अपनी ओर से क्षमा प्रदान करता है।

इसका शास्त्रीय सूत्र है -

खामेमि सव्वे जीवा, सव्वे जीवा खमंतु मे
मित्ती मे सव्वे भूएसु, वेरं मज्झं ण केणई

अर्थात् मैं अपनी ओर से संसार के सभी जीवों को क्षमा करता हूं और वे सभी जीव मुझे क्षमा करें। मेरा सभी जीवों के प्रति मैत्री भाव है, किसी के प्रति भी मेरा वैर भाव नहीं है।

संपूर्ण जैन समाज में इस पर्व को मनाया जाता है। श्वेताम्बर इसे संवत्सरी के रूप में मनाते हैं और दिगम्बर दशलक्षण पर्व के रूप में।

पर्व दो तरह के होते हैं लौकिक और लोकोत्तर। लौकिक पर्व यानी आमोद-प्रमोद का दिन। यह पर्व केवल शारीरिक सुख-सुविधाओं तक सीमित होते हैं। लोकोत्तर पर्व, अनंत ज्योतिर्मय आत्मा के दर्शन की प्रेरणा प्रदान करते हैं। पर्यूषण पर्व लोकोत्तर पर्व है। इसके आठ दिन आत्मा का उत्सव मनाने के दिन हैं, पर्व का अंतिम दिन संवत्सरी कहा जाता है।

आत्मा का प्रकाश अनंत सूर्यों से बढ़कर है। यह दिव्य प्रकाश प्रत्येक आत्मा में समाया हुआ है। लेकिन उस आत्मा के दिव्य प्रकाश पर सघन आवरण आ गए हैं। पर्यूषण पर्व का मुख्य एक ही उद्देश्य है आत्मा पर छाए कर्मों के आवरणों को विलीन करके अनंत ज्योति का साक्षात्कार करना।

हमारा देश भौतिक दृष्टि से भले ही विकासशील देशों में शुमार किया जाता है, पर आध्यात्मिक दृष्टि से अति शांत है। पश्चिमी देशों में स्थिति इसके ठीक विपरीत है। वहां आध्यात्मिक ऊर्जावर्धक ऐसा कोई पर्व नहीं है, जिसमें वहां के निवासी प्राणिमात्र के प्रति अपना वैरभाव भूलकर परस्पर स्थायी शांति के साथ रह सकें। जैन धर्म में व्रत-उपवास पर खासा जोर दिया

जाता है। साधकों का अनशनपूर्वक किया गया ये विशुद्ध चिंतन अपने मानसिक परमाणुओं द्वारा एक शुद्ध पर्यावरण की सृष्टि करता है। इससे शारीरिक स्तर पर उच्च रक्तचाप, मधुमेह, हृदयरोग, अनिद्रा, तनाव व अवसाद आदि रोगों का भी उपचार होता है। निराहार उपवास करने से आत्मा संसार के बाह्य परिवेश से निकलकर अपने भीतर की अन्तर्यात्रा शुरू कर देती है। संसारी संबंधों और आकर्षणों से रहित होने से आत्मा कर्म पुद्गलों को आकर्षित नहीं करती। धीरे-धीरे आत्मा से कर्मों का विलय करके वह शाश्वत मोक्ष मंजिल की ओर अग्रसर होने का प्रयास करती है।

आत्मा का प्रकाश अनंत सूर्यों से बढ़कर है। यह दिव्य प्रकाश प्रत्येक आत्मा में समाया हुआ है। लेकिन उस आत्मा के दिव्य प्रकाश पर सघन आवरण आ गए हैं। पर्यूषण पर्व का मुख्य एक ही उद्देश्य है, आत्मा पर छाए कर्मों के आवरणों को विलीन करके अनंत ज्योति का साक्षात्कार करना।

इस पर्व का इतिहास भारतीय संस्कृति या जैन आचार-पद्धति की मूलभावना अहिंसा से जुड़ा है। जैन काल गणना के अनुसार प्रत्येक उत्सर्पिणी काल के द्वितीय आरे(चक्र) के प्रारंभ में जब हर ओर अनार्य सभ्यता का प्रचार-प्रसार होता है और सब लोग तामसिक भोजन-मांस भक्षण के अभ्यासी होते हैं, तब प्रकृति यकायक सात्विक अंगड़ाई लेती है। उस समय सात सप्ताहों के बीच-बीच में पांच सप्ताह निरंतर विभिन्न गुणधर्म वाली धाराप्रवाह वर्षा होने से धरती की ऊष्मा शांत होकर, उसमें शीतलता व स्निग्धता उत्पन्न होती है। उस अद्भुत प्राकृतिक परिवर्तन को देखकर उस समय के लोग सामूहिक रूप से तय करते हैं कि अब प्रकृति हमें अहिंसक रूप से निर्वाह हेतु हर प्रकार की वस्तु दे रही है, इसलिए आज के बाद हम जीव हत्या नहीं करेंगे। उसी क्रांतिकारी इतिहास की स्मृति में यह पर्व मनाया जाता है।

पारस्परिक क्षमापणा के अतिरिक्त इस पर्व के अन्य भी आवश्यक सन्देश व सिद्धांत हैं। इस दिन बड़ी संख्या में जैन साधक निराहार रहकर उपवास या पौषध व्रत करते हैं। वर्षभर में किए गए दोष, पाप व अतिचारों की शुद्धि हेतु सायंकालीन प्रतिक्रमण करते हैं। महामंत्र नवकार का अखंड जाप करते हैं। आहार शुद्धि का संकल्प लेते हैं। जितना अधिक हो दान-पुण्य करते हैं। सामयिक, संवर, दान, तप और त्याग से इस पर्व की आराधना करते हैं। प्रमुख रूप से पर्यूषण के आठ दिनों में क्षमा भाव की आराधना की जाती है। इस तरह यह अनोखा पर्व स्वान्तः सुखाय के साथ-साथ सर्व जनहिताय का भी मंगल वरदान है।

श्रीकृष्ण भी हैं धर्मपुराण

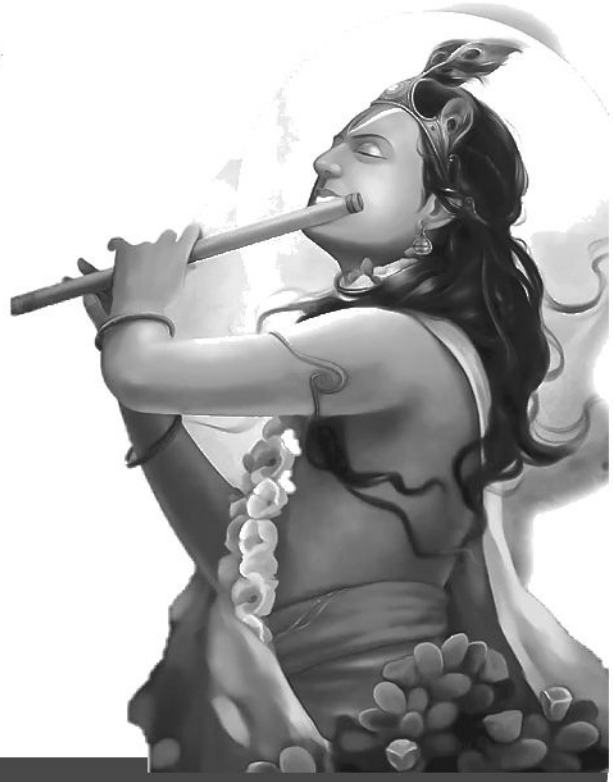

✍ आर. सी. शर्मा

यदि अनुशासन धर्म और सिद्धांत की रीढ़ है तो श्रीकृष्ण इस रीढ़ के साक्षात् उदाहरण हैं। जिस तरह श्रीराम ने किसी भी उस बात पर प्रश्न नहीं उठाया, जो उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम कहलाने के विपरीत जाती हो, उसी तरह श्रीकृष्ण ने भी ऐसा कोई कदम नहीं उठाया जो उन्हें अनुशासन के पथ से डिगाता हो अथवा जो उन्हें धर्म के रास्ते से च्युत करता हो। इसी लिए श्रीकृष्ण भी धर्म पुराण हैं।

कृष्ण ने अनुशासन पर चलने के लिए हर वह कर्तव्य निभाया जिस पर बहस, विचार-विमर्श हमेशा होते रहेंगे और उनके कृत्यों व निर्णयों को अलग-अलग नजरों से देखा जाता रहेगा। कृष्ण विराट पुरुष हैं और उन्हें सही ही कहा जाता है वो चौंसठ कलाओं में पारंगत थे। कृष्ण अब तक के इतिहास के एकमात्र संपूर्ण पुरुष हैं। शायद यह इसलिए संभव हो सका क्योंकि वह धर्म(सिद्धांत) पर हमेशा पूरी तरह से अडिग रहे। चाहे इसके लिए खुद के परिवार तक का संहार क्यों न करना पड़ा हो, इसलिए कृष्ण योगियों में महायोगी योगेश्वर हैं।

वसुदेव- देवकी के पुत्र

मथुरा के यादव शूरसेन के बेटे वसुदेव की शादी देवक की बेटी देवकी के साथ हुई थी। देवक उग्रसेन के भाई थे जो मथुरा के राजा और कंस के पिता थे। इन्हीं वसुदेव और देवकी के पुत्र कृष्ण थे जिनका जन्म ईसा से 3000 बरस पहले या अब से लगभग पांच सहस्त्र वर्ष पूर्व भाद्रपद कृष्ण अष्टमी की रात को रोहिणी नक्षत्र में उस वक्त हुआ जब मूसलाधार बारिश हो रही थी और आसमान में जबरदस्त बिजलियां कड़क रही थीं। देवकी के चचेरे भाई कंस को डर था कि अपनी इस बहन की संतान के हाथों वह मारा जाएगा। इसलिए उसने वसुदेव व देवकी को कारागार में डाल दिया और उनके संतान होने की प्रतीक्षा करने लगा। बहन-बहनोई के जो भी बच्चा पैदा होता उसे कंस मार डालता। इस तरह कंस ने देवकी की छह संतानों को मौत के घाट उतार दिया। सातवें पुत्र का गर्भ में ही नष्ट हो जाने का उल्लेख है, लेकिन पुराणों की कहानी के मुताबिक विष्णु की योगमाया ने उसे वसुदेव की दूसरी पत्नी रोहिणी के गर्भ में डाल दिया। यही बेटा आगे चलकर बलराम के नाम से मशहूर हुआ।

धर्म में अनन्य निष्ठा

बचपन से लेकर इस पृथ्वी पर अपने अंतिम क्षण तक कृष्ण उन्नति के पथ पर अग्रसर होते रहे। धर्म के अनुसार लोगों को स्व-कर्तव्य-पालन हेतु प्रेरित करना ही कृष्ण के जीवन का एकमात्र मकसद था। वे स्वयं धर्म में अनन्य निष्ठा रखने वाले और उसके वास्तविक रहस्य को जानकर उसका उपदेश देने वाले महान धर्मोपदेष्टा थो। उन्होंने अपने जीवन में कभी कोई गलत काम नहीं किया। यह सब कुछ धर्मपालन की वजह से ही मुमकिन हो सका। तभी भीष्मपर्व(43/60) में कहा गया है, जहां कृष्ण है वहां धर्म है और जहां धर्म है वहां जय है। उद्योग पर्व(70/12) में कृष्ण को सत्य की साक्षात् प्रतिमा बताते हुए दूसरी जगह(68/9) पर कहा गया है -

देवकी के आठवें गर्भ से कृष्ण उत्पन्न हुए। वसुदेव उन्हें कंस से छिपाकर रातों-रात गोकुल में नंद गोप के यहां रख आये और इस तरह कृष्ण गोकुल के ग्राम्य वातावरण में पलने लगे। ईश्वर ने इंसान को यह सलाहियत दी है कि वह अपनी विविध प्रवृत्तियों को उन्नति के सर्वोच्च सोपान पर पहुंचा सकता है। इस तरह वह एक आम आदमी से महामानव या युगपुरुष बन सकता है। कृष्ण इस तथ्य की बेहतरीन मिसाल हैं। उन्होंने अपनी ज्ञानार्जनी, कार्यकारिणी और लोकरंजनी तीनों किस्म की प्रवृत्तियों को विकास की चरम सीमा तक पहुंचा दिया था। इसी वजह से यह मुमकिन हो सका कि कृष्ण अपने समय के महान राजनीतिज्ञ और समाज-व्यवस्था के गौरवान्वित पद पर आसीन हो सके।

यतः सत्यं यतो धर्मो यतो ह्रीरार्जवं यतः।
ततो भवित गोविंदो यतः कृष्णस्ततो जयः॥

इसका अर्थ है कि जिस ओर सत्य, धर्म, लज्जा और सरलता है उसी ओर कृष्ण रहते हैं और जहां कृष्ण हैं, वहीं विजय है। इस गवाही के बाद कृष्ण के साथ किसी भी गलत बात को जोड़ना उनके चरित्र का घोर अपमान करना होगा।

कृष्ण का चरित्र इसलिए आदर्श

इंसानों के लिए कृष्ण का चरित्र इसलिए आदर्श है, क्योंकि उसमें कोई दोष या त्रुटि न थी। इसीलिए उन्हें आध्यात्मिक जगत का सर्वोत्कृष्ट उपदेष्टा समझा जाता है और योगेश्वरों में उनकी परिगणना होती है। कृष्ण समाज-संशोधक, नूतन क्रांति-विधायक, राजनीतिज्ञ, धर्मोपदेशक और धर्म संस्थापक थे। उन्होंने सांसारिक वासनाओं से निर्लिप्त रहकर कर्तव्य की भावना से आचरण करने के योग की शिक्षा दी।

राष्ट्रवाद जनहित के लिए

संपूर्ण मानव जाति के कल्याण के भाव को लेकर कृष्ण ने राजनीति के क्षेत्र में कदम रखा। उनकी राजनैतिक विचारधारा किसी संकुचित राष्ट्रवाद के घेरे में कैद न थी। उनका राष्ट्रवाद तो लोक-कल्याण, जनहित के लिए था और सब प्रकार की अराजकता, अन्याय और शोषण के वे मुखालिफ थे। अत्याचार को समाप्त करने के लिए उनके आड़े पारिवारिक व वैयक्तिक संबंध भी नहीं आते थे। कंस का विनाश इस बात का सबूत है। कृष्ण न तो युद्ध को राष्ट्रीय समस्याओं के समाधान का एकमात्र व लाजिमी रास्ता मानते थे और न उसमें कूदने के लिए उन्होंने किसी को उकसाया। वे तो स्वयं पांडवों की तरफ से संधि-प्रस्ताव लेकर हस्तिनापुर गये। लेकिन जब शांति प्रयास से भी मसला हल न हुआ, तो उन्होंने अत्याचार के शमन और दुष्टों को दंड देने के लिए की जाने वाली जंग को क्षत्रिय-वर्ण के लिए स्वर्ग का खुला द्वार बताया।

जीवन प्रबंधन

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी विशेष

श्रीकृष्ण गीता में कहते हैं, जो भी आपका काम है, उसे पूरे मन से कीजिए। आपका जो वर्तमान काम है उसे यदि आप भविष्य की चिंताओं में गिरवी रखकर करेंगे तो अपने लक्ष्य में कभी सफल नहीं हो पाएंगे।

सकारात्मक व्यवहार

भगवान श्रीकृष्ण कर्म करने की बात कहते हैं। जिसमें निडरता, आत्मनियंत्रण, निंदा न करना, विनम्रता और धैर्य शामिल है। यदि इन गुणों को अपने अंदर समाहित किया जाए तो भविष्य सुनहरा हो सकता है।

प्रेरणादायक बनना

श्रीकृष्ण ने अपने मानव जीवन में जितनी भी लीलाएं कीं वे सभी किसी ने किसी तरह से लोगों को प्रेरणा देती हैं। ये लीलाएं जितनी द्वापरयुग में प्रासंगिक थी उतनी ही आज भी अपना महत्व रखती हैं। व्यक्ति को हमेशा प्रेरणादायक बनने की कोशिश करते रहना चाहिए, ताकि लोग आपके अनुभव से सीख लेकर अपने जीवन को बेहतर बना सकें।

मन पर नियंत्रण

श्रीकृष्ण गीता में कहते हैं कि लालच, क्रोध, ईर्ष्या और शक ऐसे विकार हैं, जो आपको एक बेहतर इंसान बनने से रोकते हैं। कुशल मैनेजमेन्ट का सूत्र है कि इन मनोविकारों से दूर ही रहना चाहिए। गीता में भगवान ने इन मनोविकारों से बचने की सीख दी है।

नारायणी

वुमेन्स हॉस्पीटल एण्ड फर्टिलिटी सेन्टर प्रा.लि.

टेस्ट ट्यूब बेबी सेन्टर

अत्याधुनिक तकनीक एवं
संसाधनी से सर्वश्रेष्ठ उपचार देता
विश्वसनीय सेन्टर

नि:संतानता

कोई अभिशाप नहीं,
एक बीमारी है,
इसका इलाज संभव है।

(W.H.O. ICD10 21-10-2016)

HELPLINE NO. 9983854587, 7230007262/63

नि:संतानता इलाज की किन दंपत्तियों को जरूरत है-

महिलाएं जिनमें

1. स्त्री बीज (अण्डे) का विकार हो, अण्डे का विकास न होना (PCOD)
2. अण्ड नलियां बंद हो या कोई खराबी हो
3. गर्भाशय की भीतरी सतह (एण्डोमेट्रियम) का न बनना।
4. उम्रदराज महिलाएं
5. अनियमित माहवारी/ माहवारी बंद हो गई है।

पुरूष जिनमें :

1. वीर्य में शुक्राणुओं की मात्रा एवं गुणवत्ता का कम होना।
2. वीर्य में शुक्राणुओं का न होना परंतु अण्डकोष में बनना।
3. शारीरिक संबंध बनाने में असमर्थ पुरूष।

जिन महिलाओं में एण्डोमेट्रियम (गर्भाशय की आंतरिक परत) नहीं बन रही है एवं पूर्व में IVF फेल हुआ है उनका हिस्ट्रोस्कॉपी एवं PRP थैरेपी द्वारा ईलाज।

उपलब्ध सुविधाएं

● फर्टिलिटी जाँचें एवं काउंसलिंग ● IUI ● IVF ● ICSI ● ब्लास्टोसिट कल्चर
● TESA ● PESA ● फ्रिजिंग ● डोनर सर्विसेज ● हिस्ट्रोस्कोपी ● लेप्रोस्कोपी

नारायणी वुमेन्स हॉस्पीटल एण्ड फर्टीलिटी सेन्टर

23, अशोक विहार, पेट्रोल पम्प के पीछे, युनिवरसिटी-शोभागपुरा
100 फीट रोड, खारा कुंआ, उदयपुर 313001
Email : narayaniivf@gmail.com Website : www.narayaniivf.com
Mob. +91-9983854587/+91-7230007262/63

T&C Apply

आयुर्वेद के कर्मवीर घर-घर बांटा काढ़ा, सिखाया योग

आयुर्वेद विभाग, राजस्थान ने 'कोरोना' से बचाव को लेकर लोगों में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने की दृष्टि से नस्य, क्वाथ, बल्य एवं रसायनवटी काढ़ा, अश्वगंधा चूर्ण, अमृतधारा आदि का शहरों-गांवों में सतत वितरण कर अनूठी पहल की। इस सम्बंध में विभाग ने उदयपुर की अनेक स्वयंसेवी संस्थाओं से भी समन्वय कर विभिन्न क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाने के साथ उक्त औषधियों का वितरण किया। राजकीय आदर्श आयुर्वेद औषधालय, सिंधी बाजार के चिकित्साधिकारी वैद्य शोभालाल औदिच्य ने 'प्रत्यूष' को एक बातचीत में बताया कि उन्होंने विभिन्न समाजों, संगठनों और संस्थाओं के कोरोना कर्मवीरों का एकमंच तैयार किया। मंच के कर्मवीर प्रतिदिन 16 घण्टे से अधिक समय तक काढ़ा तैयार करने और वितरण में संलग्न रहे। आयुष मंत्रालय की गाइड लाइन एवं जिला प्रशासन के निर्देशानुसार विभिन्न स्थानों पर क्वारेन्टाइन लोगों की नियमित सेवा में भी ये योद्धा जुटे रहे। प्रमुख स्थल ये हैं - होटल कजरी, एससीईआरटी हॉस्टल देवाली, हरिश्चंद्र माथुर प्रशिक्षण संस्थान अम्बामाता, होटल आशीष पैलेस, होटल गोल्डन ट्यूलिप, होटल रघुमहल, ड्रीम पैलेस, फतेह निवास, होटल तलदार, मुम्बई हाउस, होटल आमंत्रा, होटल राजदर्शन, ओरिएंटल पैलेस, एवीवीएनएल गेस्ट हाउस, राजकीय कस्तूरबा बालिका छात्रावास, पन्नाधाय बालिका छात्रावास, महावीर साधना एवं स्वाध्याय समिति अम्बामाता आदि। डॉ. औदिच्य ने बताया कि जिन कोरोना कर्मवीरों ने रोजाना इन सेवाकार्यों में समय दान किया उनमें चार्टर्ड इंजीनियर एवं योग प्रशिक्षक जिग्नेश शर्मा, प्रभात नगर निवासी नरेन्द्र सिंह झाला, राजकीय आयुर्वेद औषधालय, सुन्दरवास के भूपेन्द्र सरपोटा और राजकीय आयुर्वेद औषधालय, धानमण्डी के रूपलाल मीणा शामिल हैं। लॉकडाउन के दौरान राजकीय विभागों में उपस्थित कर्मचारियों को भी काढ़ा व औषध वितरण की सेवाएं दी गई। इसी दौरान औदिच्य ने योग प्रशिक्षकों की भी एक अनुभवी टीम तैयार की जिसने रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में कारगर योगासनों का घर-घर प्रचार व ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया व अनलॉक-1 में सोशल डिस्टेंसिंग के साथ विभिन्न स्थानों पर प्रशिक्षण आयोजित किए। जन सामान्य को योग के बारे में जानकारी व प्रशिक्षण देने वालों में अशोक जैन, उमेश श्रीमाली, राजेन्द्र जालोरा, शारदा जालोरा, प्रीति सुमेरिया, नवनीत गुप्ता, अमृत परमार, दिनेश पानेरी, मांगीलाल गमेती, कंचन डामोर, निखिल गांधी, पूरण राठौड़ और हितेष चौबीसा के नाम उल्लेखनीय हैं।

रिपोर्ट : उमेश शर्मा

रक्तदान अभियान तेज करने की ज़रुरत

वाशिंगटन द्वारा जारी पहली वैश्विक रिपोर्ट ने चौंकाया, 119 देश जूझ रहे खून की कमी की समस्या से।

✍ डॉ. ओ. पी. महात्मा

विश्व में इन दिनों जीवनरक्षक रक्त की बड़ी कमी है। एक वैश्विक रिपोर्ट के अनुसार 196 देशों में से 119 के अस्पतालों में मरीजों को चढ़ाने के लिए पर्याप्त रक्त की आपूर्ति नहीं है। इनमें ज़्यादातर एशिया व अफ्रीका के देश हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की ओर से निर्धारित लक्ष्य के मुकाबले 10 करोड़ यूनिट (आम भाषा में बोतल) रक्त की कमी है। ये देश कम या मध्यम आय श्रेणी वाले हैं। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक हर देश मे प्रति हजार लोगों में कम से कम 10 यूनिट रक्तदान होना चाहिए, लेकिन अफ्रीकी देशों में इससे काफी कम रक्तदान होता है। दक्षिण सूडान में तो एक लाख लोगों में मात्र 46 यूनिट रक्त का दान होता है। शोध के अनुसार अफ्रीकी देशों में मौजूदा रक्त आपूर्ति को 75 गुना ज्यादा करने की आवश्यकता है।

जहां तक भारत की बात है, यहां करीब 4.10 करोड़ यूनिट(दुनिया में सबसे ज़्यादा) रक्त की कमी है। इस अध्ययन के लिए यूनिवर्सिटी ऑफ वाशिंगटन के वैज्ञानिकों ने रक्त सुरक्षा से जुड़ी वैश्विक स्थिति रिपोर्ट को आधार बनाया और रक्त की कमी पर दुनिया की पहली रिपोर्ट तैयार की है। जिसमें हर देश में रक्त सुरक्षा और उपलब्धता का अध्ययन किया गया।

30.3 करोड़ यूनिट रक्त की आपूर्ति पूरे विश्व में

40 करोड़ यूनिट रक्त की जरूरत है पूरे विश्व में

10 करोड़ यूनिट रक्त की कमी सभी देशों को मिलाकर

प्रति हजार रक्त उपलब्धता

32.6 उच्च आमदनी वाले देश

15.1 मध्यम आमदनी वाले देश

8.1 निम्न मध्यम आमदनी वाले देश

4.4 निम्न आमदनी वाले देश

दान से मिलता है - एशिया-अफ्रीका के देशों को 42 प्र.श. रक्त

रक्त चढ़ाने से हर वर्ष लाखों लोगों की जान बचाई जाती है। इनमें सर्जरी, घायल होने, एनीमिया(खून की कमी), थैलिसीमिया, हैमोफीलिया, कैंसर और विकासशील देशों में प्रसव के दौरान होने वाली जटिलताएं शामिल हैं। दुनिया की 80 प्रतिशत आबादी का घर एशिया और अफ्रीका को हर वर्ष 10 करोड़ यूनिट रक्तदान में दिया जाता है। वहीं 16 प्रतिशत विश्व आबादी का बसेरा अमीर देश गरीब देशों को उनकी ज़रूरत का 42 प्रतिशत रक्त उपलब्ध करवाते हैं।

आर्थिक तेजी के मिल रहे संकेत लेकिन चुनौतियां भी कम नहीं

'कोरोना' शताब्दी का सबसे बड़ा आर्थिक संकट

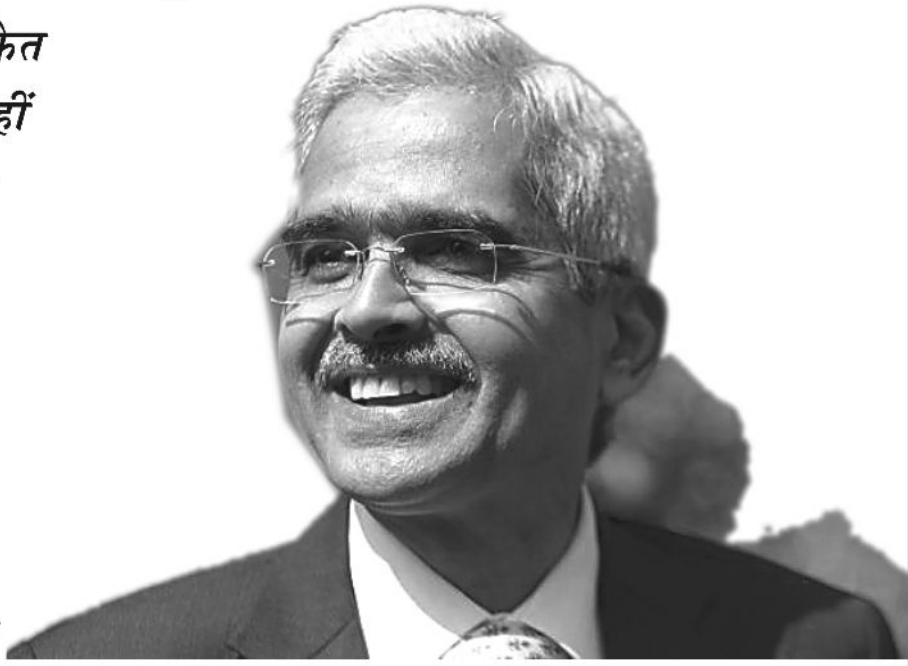

✍ शशिकांत दास
गवर्नर, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया

कोरोना महामारी से निपटने के लिए कई अहम कदम उठाए गए हैं। कठिन समय में अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने की कोशिश लगातार जारी है। सिस्टम में लिक्विडिटी बनाए रखने पर खासा जोर है।

कोरोना 100 साल का सबसे बड़ा स्वास्थ्य एवं आर्थिक संकट है। देश की अर्थव्यवस्था में रिकवरी के संकेत दिख रहे हैं और देश में आर्थिक लेन-देन सामान्य स्थिति में पहुंच रहा है। बैंकों को अपने जोखिम मैनेजमेंट पर जोर देने की जरूरत है।

कोरोना संकट से पहले ही आरबीआई ने कई कदम उठाए हैं और ब्याज दरों में बड़ी कटौती भी की।

आने वाले दिनों में आर्थिक ग्रोथ की रफ्तार बढ़ाने के लिए और कदम उठाने की तैयारी है।

जोखिम को चिह्नित करने के लिए आरबीआई ने अपने निगरानी तंत्र को मजबूत बनाया है। देश के हर बैंक से कहा गया है कि वो कोरोना महामारी के चलते अपनी बेलेंस शीट का स्ट्रेस टेस्ट भी करें। यानी बैंक अपनी बैलेंस शीट चेक करें और यह बताएं कि कोरोना की वजह से उनके कितने एसेट्स डूबने वाले हैं। साथ ही वित्तीय संस्थानों से भी कहा गया है कि वह वित्तवर्ष 2021 और 2022 के लिए स्ट्रेस टेस्टिंग के जरिए कोरोना महामारी के असर का आकलन करें। बैंक और वित्तीय संस्थान आने वाली चुनौतियों को लेकर खास सजग रहें।

सुधार की हिदायत

बैंकों तथा वित्तीय बाजार की इकाइयों को सतर्क रहना होगा और उन्हें संचालन, विश्वास कायम रखने वाली प्रणालियों तथा जोखिम के संबंध में अपनी क्षमताओं को उन्नत बनाना होगा। बैंकों को अपना कंपनी संचालन सुधारना, जोखिम प्रबंधन को तीक्ष्ण बनाना होगा और स्थिति उत्पन्न होने की प्रतीक्षा किए बिना अनुमान के आधार पर पूंजी जुटानी होगी। इससे उनके पास कोरोना वायरस जैसे संकट के समय पर्याप्त पूंजी बफर रहेगा।

हरसंभव उपाय

रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीतियां तथा तरलता के उपाय बाजार के भरोसे को पुन: बहाल करने, वित्तीय स्थितियों को ढीला बनाने, ऋण बाजार के ठहराव को दूर करने तथा जरूरतमंदों को वित्तीय संसाधन मुहैया कराने पर केन्द्रित हैं।

2.50 फीसदी रेपो देर में कटौती कर चुका है रिजर्व बैंक इस साल

85 फीसदी के स्तर पर पहुंची उपभोक्ता वस्तुओं की बिक्री लॉकडाउन हटने से

75 फीसदी के स्तर पर मांग वाहन क्षेत्र सामान्य स्थिति के मुकाबले

02 साल में अर्थव्यवस्था के सामान्य स्थिति में लौटने की उम्मीद विशेषज्ञों को

वित्तीय क्षेत्र में क्षमता

जो नियामकीय ढील दी गई हैं, उन्हें नए प्रावधान माने बिना भी वित्तीय क्षेत्र सामान्य स्थिति की ओर लौट सकता है। कोविड-19 महामारी का असर होने के बाद भी सभी भुगतान प्रणालियों और वित्तीय बाजारों समेत देश का वित्तीय तंत्र बिना किसी रूकावट के ठीक-ठाक काम कर रहा है।

नए तरीके से निगरानी

लॉकडाउन ने स्थल पर जाकर निगरानी(ऑन साइट सुपरविजन) करने की रिजर्व बैंक की क्षमता में एक हद तक व्यवधान डाला है, ऐसे में केन्द्रीय बैंक बिना स्थल पर गए निगरानी(ऑफ साइट सर्विलांस) की अपनी व्यवस्था को मजबूत बना रहा है। गड़बड़ी की पहचान तथा उसे रोकने पर जोर है।

('बैंकिंग एण्ड इकोनॉमिक्स कॉन्क्लेव' में दिए गए भाषण के अंश)

बिगड़ रही बैलेंस शीट

बैंकों के एनपीए में संभावित बढ़ोतरी से हम मुश्किल में हैं और जितनी जल्दी इसे स्वीकार करेंगे, उतना बेहतर होगा क्योंकि हमें वाकई में इस समस्या से निपटने की जरूरत है। अगले छह महीने में बैंकों के फंसे कर्ज यानी एनपीए में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हो सकती है। लॉकडाउन से कंपनियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है और उनमें से कई कंपनियां कर्ज की किस्त लौटाने में कठिनाइयों का सामना कर रही हैं लिहाजा इस पर विचार होना चाहिए।

- रघुराम राजन, पूर्व गवर्नर, आरबीआई

आविष्कार

घुटनों को मजबूती देने आएगा 'हाइड्रोजेल'

घुटनों के कार्टिलेज के बीच एक चिपचिपा जेल होता है जो इंसान के शरीर के वजन को संभालता है और चलने-दौड़ने जैसी क्रियाओं के लिए मजबूती देता है। उम्र बढ़ने से यह जेल समाप्त हो जाता है और बुजुर्ग होने पर चलने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। अब शोधकर्ताओं ने एक कृत्रिम जेल तैयार कर लिया है जो घुटनों की मरम्मत कर सकेगा।

ज्यादा भार संभाल सकता है : लंदन की ड्यूक यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने यह जेल बनाने का दावा किया है जो घुटनों के प्राकृतिक जेल से बिल्कुल मेल खाता है। यह कृत्रिम जेल 60 फीसदी पानी से बना है, लेकिन इसका एक छोटा-सा डिस्क 45 किलोग्राम तक वजन बिना किसी क्षति के संभाल सकता है। इसके निर्माणकर्ताओं ने कहा कि यह पहला ऐसा हाइड्रोजेल पदार्थ है जिसे पानी और पॉलीमर से बनाया गया है। यह समय के साथ खराब भी नहीं होता। शोधकर्त्ता वैज्ञानिकों बेन विले और केन गाल ने कहा कि बहुत जल्दी ही घुटनों के जेल का कृत्रिम विकल्प तैयार कर लिया जाएगा। इससे घुटना प्रत्यारोपण में काफी कमी आएगी।

हेल्दी हैबिट

हटाएं दांतों का पीलापन

दांत शरीर के सबसे महत्त्वपूर्ण हिस्सों में से एक है। गलत खानपान व साफ-सफाई न करने से दांत में पीलेपन की समस्या बढ़ रही है। इसके लिए सरसों के तेल का प्रयोग कर सकते हैं। इससे रक्त प्रवाह बेहतर होता, मसूढ़ों की सूजन, दर्द कम होता है। आयुर्वेद में भी सरसों के तेल का प्रयोग बताया है।

सरसों का तेल-हल्दी : आधे चम्मच हल्दी पाउडर में एक चम्मच सरसों का तेल अच्छी तरह मिला लें। इस पेस्ट को अंगुली से दांतों पर रगड़ें। कुछ दिनों में दांत चमकने लगेंगे।

सरसों का तेल-नमक : आधा चम्मच सरसों का तेल लें। इसमें एक चुटकी नमक मिलाएं। पेस्ट बनाकर दांतों को ब्रश करें। इससे दांत चमकदार बनेंगे।

सरसों का तेल-सेंधा नमक : एक चुटकी सेंधा नमक, सरसों का तेल मिलाएं। 2-3 मिनट दांतों पर रगड़ें। इसके बाद गुनगुने पानी से मुंह धोएं।

प्रतिदिन करें मसाज : आधा चम्मच शुद्ध सरसों का तेल हथेली पर लें। तेल से मसूढ़ों की मालिश करें। इससे मसूढ़े मजबूत होंगे।

Ravi Kalra
Sandeep Kalra

Cell : 9680511711
9414155258

G.S Traders

Auth. Dealer :

Nice, Rock, FIT-WIT
Bairathi, Lakhani, Sumoto

Gurmukh Kalra
Rahul Kalra

Cell : 9001714646
9929022680

G.S FOOTWEAR

L.L.L GED

hot springs

25, Dhanmandi School Road, Udaipur (Raj.) 313 001

भुट्टे की मसालेदार डिशेज

✍ पुष्पा जांगिड़

बारिश की रिमझिम और अंगीठी पर सिकते भुट्टे हर किसी को बरबस ही अपनी ओर आकर्षित करते हैं। बारिश का इससे बेहतरीन स्वाद शायद दूसरा कोई नहीं होगा। नमक और नींबू लगे सोंधी खुशबू वाले भुट्टे का स्वाद तो क्लासिक है ही पर इसकी कई मसालेदार डिशेज भी हैं जो आपका जायका बढ़ा देंगी।

कॉर्न फ्रिटर्स

सामग्री : बेसन-2 कप, हींग-आधा चम्मच, बॉइल्ड कॉर्न-1 कप, हरी मिर्च-1 बारीक कटी हुई, हरा धनिया-1 टेबल स्पून, हल्दी पाउडर-1 चौथाई चम्मच, काला नमक-1 चौथाई चम्मच, चाट मसाला-1 चौथाई चम्मच, लाल मिर्च पाउडर-आधा चम्मच, काली मिर्च-आधा चम्मच, नमक-स्वादानुसार, अदरक-एक चौथाई चम्मच, तेल-जरूरत के मुताबिक।

विधि : बैटर बनाने के लिए एक बाउल में सभी सामग्री और थोड़ा पानी डालकर गाढ़ा मिक्सचर तैयार करें। अब एक पैन में तेल गर्म करें और थोड़ा-थोड़ा बैटर लेकर तेल में डालें और उसे क्रिस्प डीप फ्राई करें। इसे सर्विंग प्लेट में निकालें और दही और हरा धनिया की चटनी से गार्निश करके सर्व करें। ध्यान रखें कि बैटर ना ज्यादा गाढ़ा हो ना ही ज्यादा पतला।

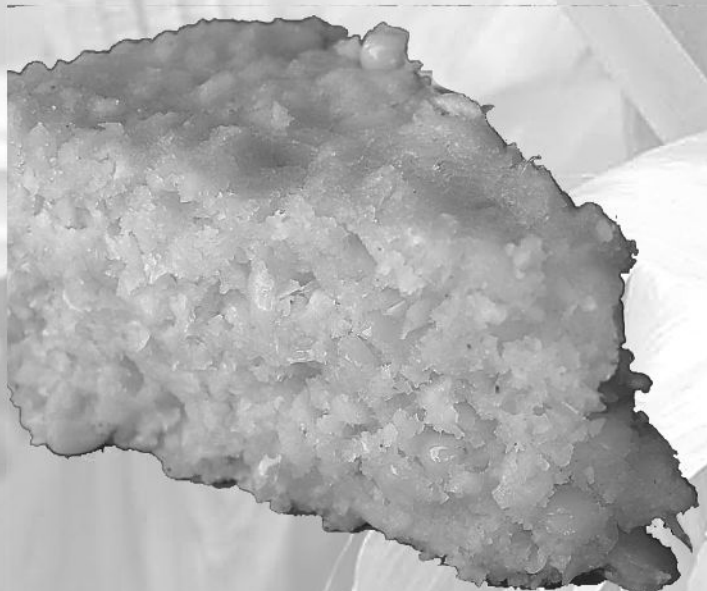

मसाला कॉर्न केक

सामग्री : कॉर्न के दाने-एक कप उबले हुए, आलू-दो उबले हुए, लहसुन का पेस्ट-एक चम्मच, लाल मिर्च का पेस्ट-एक चम्मच, कोकोनेट पेस्ट-दो चम्मच, अमचूर-एक चम्मच, तेल-जरूरत के मुताबिक, नमक : जरूरत के अनुसार, काली मिर्च-आधा चम्मच, हरा धनिया।

विधि : एक बाउल में आलू, कॉर्न, लाल मिर्च पेस्ट, लहसुन का पेस्ट कोकोनेट का पेस्ट, थोड़ा हरा धनिया, नमक, अमचूर, काली मिर्च पाउडर मिक्स करें और गूंथ लें। इस मिक्सचर को बराबर हिस्सों में बांटकर प्लेट बॉल्स बना लें। फिर पैन में तेल गरम करें और इन कॉर्न केक्स को धीमी आंच पर शैलो फ्राई करें। दूसरी तरफ पलटकर इन्हें क्रिस्पी करें। अब इन्हें एक टिश्यू पेपर में निकालें और सर्व करें।

कॉर्न बीटरूट कटलेट

सामग्री : कॉर्न-1 कप उबले हुए, आलू-2 उबले हुए। चुकंदर-2 टेबल स्पून(कद्दूकस किया हुआ), प्याज-एक बारीक कटा हुआ, अदरक, लहसुन, हरी मिर्च का पेस्ट-1 टेबल स्पून, स्वादानुसार नमक, गरम मसाला-1 चम्मच, कॉर्नफ्लोर-2 टेबल स्पून, ब्रेड क्रंब्स-1 कप, तेल-जरूरत के अनुसार, हरा धनिया-गार्निशिंग के लिए सूजी-1 टेबल स्पून।

विधि : एक बाउल में उबले हुए कॉर्न को मैश करें। फिर इसमें उबले आलू, चुकंदर, प्याज, अदरक, लहसुन का पेस्ट, गरम मसाला, ब्रेड क्रंब्स और नमक डालकर मिक्स करें। अब मिक्सचर को बराबर हिस्सो में बांटकर कटलेट्स बना लें। अब कॉर्नफ्लोर, सूजी और पानी मिलाकर पतला बैटर बना लें। इसमें कटलेट्स को डिप करें। अब एक पैन में तेल गरम करें और इसमें कटलेट्स डालकर दोनों साइड से गोल्डन ब्राउन होने तक डीप फ्राई करें। अब इसे सर्विंग प्लेट में निकाल लें और सॉस या हरे धनिया की चटनी के साथ सर्व करें।

स्पाईसी कॉर्न चाट

सामग्री : टमाटर-2 बारीक कटा हुआ, फ्रेश कॉर्न-2, बींस-1 टेबल स्पून बारीक कटी, प्याज-1 बारीक कटा हुआ, हरा धनिया-आधा कप बारीक कटा हुआ, पनीर-50 ग्राम, हरी मिर्च-2 बारीक कटी, नींबू का रस-1 चम्मच, चाट मसाला-1 चम्मच, काली मिर्च-स्वादानुसार, बेसन के सेव-1 टेबल स्पून, चीनी पाउडर-1 चम्मच, काला नमक-स्वादानुसार।

विधि : कॉर्न के दानों को बॉयल करें। बॉयल होने के बाद कॉर्न में से पानी निथारे। अब एक पैन में थोड़ा सा तेल गर्म करें और उसमें कॉर्न को हल्का फ्राई करें। हल्का ब्राउन होने के बाद इन्हें एक बाउल में निकाल लें। इसमें सेव और टमाटर को छोड़कर सभी सामग्री डालकर अच्छा मिक्स कर लें। अब इसमें ऊपर से टमाटर और बेसन के सेव डालकर गार्निश करके सर्व करें।

कॉर्न पोहा

सामग्री : आधा कप उबले हुए मीठी मकई के दाने, डेढ़ कप जाड़ा पोहा, 1 चम्मच तेल, आधा कप बारीक कटा हुआ प्याज, आधा चम्मच हल्दी पाउडर, 1 चम्मच हरी मिर्च की पेस्ट, 2 चम्मच चीनी, नींबू का रस और धनिया, नमक स्वादानुसार।

विधि : पोहे को साफ करके, धोकर और छान कर एक तरफ रख दीजिए। एक चौड़े नॉन-स्टिक पेन में तेल डालकर गरम कीजिए। प्याज डालकर मध्यम आँच पर 1 से 2 मिनट तक पकाइए। अब इसमें स्वीट कॉर्न डालिए और मध्यम आँच पर 1 मिनट तक पकाइए। उसमें पोहा डालकर अच्छे से मिलाइए और मध्यम आँच पर 1 मिनट, लगातार हिलाते हुए पकाइए। अब इसमें हल्दी पाउडर, चीनी, नमक, हरी मिर्च की पेस्ट, नींबू का रस और धनिया डालकर अच्छे से मिलाइए और मध्यम आँच पर 1 से 2 मिनट तक पकाइए। टमाटर, प्याज, सेव और लेमन वेज डालकर गरमा-गरम परोसें।

इस माह आपके सितारे

पं. शोभालाल शर्मा

मेष

माह के पूर्वार्द्ध में सावचेत रहें, यात्राओं का आधिक्य रहेगा। उत्तरार्द्ध में परिस्थितियां अनुकूल बनेंगी लेकिन परिवार में तालमेल का अभाव रहेगा। आर्थिक रूप से यह माह सामान्य है। कार्य क्षेत्र में नवीनता आ सकती है, स्वास्थ्य सामान्य, धर्म कर्म में रूचि रहेगी।

वृषभ

वाकपटुता से कार्यों में सफल रहेंगे। वैचारिक मतभेद सुलझेंगे। कार्य क्षेत्र में वरिष्ठ जनों का सहयोग प्राप्त होगा। आध्यात्मिक कार्यों में बढ़-चढ़ कर भाग लेंगे, आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर हो सकता है।

प्रमुख उत्सव

दिनांक	तिथि	पर्व/त्योहार
1 अगस्त	श्रावण शुक्ल त्रयोदशी	ईद-उल ज़ुहा(चांद से)
3 अगस्त	श्रावण शुक्ल पूर्णिमा	रक्षाबंधन
6 अगस्त	भाद्रपद कृष्णा तृतीया	कजली तीज/सातुड़ी तीज
12 अगस्त	भाद्रपद कृष्णा अष्टमी	श्रीकृष्ण जन्माष्टमी
15 अगस्त	भाद्रपद कृष्णा एकादशी	भारतीय स्वतंत्रता दिवस
16 अगस्त	भाद्रपद कृष्णा द्वादशी	गोवत्स पूजा/पारसी नववर्ष प्रारंभ
22 अगस्त	भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी	श्रीगणेश चतुर्थी
23 अगस्त	भाद्रपद शुक्ल पंचमी	संवत्सरी/ऋषि पंचमी
28 अगस्त	भाद्रपद शुक्ल दशमी	बाबा रामदेव जयंती/तेजा दशमी
30 अगस्त	भाद्रपद शुक्ल द्वादशी	मोहर्रम(चांद से)
31 अगस्त	भाद्रपद शुक्ल त्रयोदशी	ओणम

मिथुन

कार्य क्षेत्र में परिश्रम से परिणाम अनुकूल होगा। यात्राएं फायदेमन्द होंगी। स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव, विद्यार्थियों के लिए माह उत्तम फलप्रद, महिने के उत्तरार्द्ध में आय पक्ष सुदृढ़, विचारों में ताल-मेल रखें।

कर्क

इस माह ना केवल स्वास्थ्य बल्कि आर्थिक तौर पर भी आपको परेशानियां हो सकती हैं, सावधान रहना होगा। यात्राएं टालें, कार्य क्षेत्र में बदलाव या नौकरी में स्थानान्तरण संभव। दाम्पत्य जीवन सामान्य, आय पक्ष भी मध्यम रहेगा।

कन्या

यह माह मिश्रित परिणाम कारक है। आर्थिक प्रगति, घर में मेहमानों का आना-जाना, व कार्य क्षेत्र में स्थिति बेहतर बनेगी। मानसिक तनाव रह सकता है, यात्राएँ लाभप्रद रहेंगी, दाम्पत्य जीवन में कुछ समय के लिए कटुता संभव। संतान पक्ष से सन्तुष्टि लेकिन आत्मबल में कमी आएगी।

तुला

यह माह, कार्य क्षेत्र में मान-सम्मान देने वाला है। व्यवसाय ठीक-ठाक रहेगा, माता-पिता के स्वास्थ्य को लेकर चिंता, स्वास्थ्य उत्तम किन्तु जीवन साथी के साथ टकराव रह सकता है, सावधानी बरतें, आर्थिक पक्ष उत्तम रहेगा।

सर्वार्थ सिद्धि योग में बंधेगी 'राखी'

इस बार सर्वार्थ सिद्धि तथा सूर्य शनि के सम सप्तक योग में रक्षाबंधन का पर्व आ रहा है। 29 वर्ष पहले 1991 के बाद इस तरह का योग 2020 में बना है। साथ ही प्रीति व आयुष्मान योग भी इस पर्व को खास बनाएंगे। इसके अलावा श्रवण पूजन से विशेष पुण्य प्राप्त होने का भी संयोग है। श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा पर रक्षाबंधन पर्व है। इस दिन श्रावण सोमवती पूर्णिमा का भी योग है। संयोग से इस बार सोमवार के दिन पूर्णिमा तिथि का भोग काल 21 घंटे 28 मिनट रहेगा। साथ ही पूर्णिमा का आरंभ उत्तराषाढ़ा नक्षत्र में होगा। यह नक्षत्र सुबह 7.20 तक रहेगा। इसके बाद श्रवण नक्षत्र आरंभ होगा। सोमवार को श्रवण नक्षत्र का होना सर्वार्थ सिद्धि की श्रेणी में आता है। धर्मशास्त्र की मान्यता से देखें तो सर्वार्थ सिद्धि योग के संयोग में रक्षाबंधन का आना, साथ ही प्रीति/आयुष्मान योग व मकर राशि का चंद्रमा, कम समय के कालखंड में नक्षत्र योगों का परिवर्तन अपने आपमें भिन्न हैं।

- पं. अमर डब्बावाला, उज्जैन

9.29 बजे भद्रा समाप्ति

ज्योतिष शास्त्र में भिष्टीकरण को भद्रा के नाम से जाना जाता है। इस दृष्टि से पूर्णिमा के दिन भद्रा सुबह 9.29 तक रहेगी। इसके बाद बालकरण आरंभ होगा। इसके बाद दिनभर बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांध सकेंगी।

सिंह

माह के पूर्वार्द्ध में पिता को शारीरिक कष्ट संभव, आर्थिक दृष्टि से माह श्रेष्ठ रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता आवश्यक है, आर्थिक लाभ के लिए यात्राएँ लाभप्रद रहेंगी। करियर के मामले में महीने का उत्तरार्द्ध सफलता लेकर आएगा, सन्तान पक्ष से निराशा मिलेगी।

वृश्चिक

छोटी-छोटी यात्राएं अच्छे अनुभव एवं जीवन में आगे बढ़ने का मौका देंगी, चुनौतियों को परास्त करेंगे, विद्यार्थियों के लिए शिक्षा में व्यवधान, परिवार में सामंजस्य की कमी और आर्थिक दृष्टि से माह मिश्रित फल देगा।

धनु

कार्य क्षेत्र एवं व्यापार में अच्छा लाभ, स्वास्थ्य में गिरावट, सन्तान पक्ष से संतोष, किसी वरिष्ठजन का परामर्श जीवन में महत्वपूर्ण परिवर्तन दिला सकता है, भाग्य का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा।

कुम्भ

करियर में उत्साहजनक परिवर्तन के संकेत मिल सकते हैं, शिक्षा के क्षेत्र में मिश्रित फल की प्राप्ति होगी, महीने का पूर्वार्द्ध परिवार में तनाव पैदा कर सकता है, आर्थिक दृष्टि से माह अनुकूल, स्वास्थ्य में सुधार, सन्तान पक्ष से चिन्तित हो सकते हैं, भाग्य सामान्य रहेगा।

मकर

कार्य क्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी, परन्तु नए व्यापार या वर्तमान व्यापार का विस्तार अभी टाल देना हितकर रहेगा, विद्यार्थी वर्ग के लिए माह सफलतादायक है। पारिवारिक माहौल अनुकूल किन्तु स्वास्थ्य की दृष्टि से प्रतिकूलता रह सकता है, कर्ज लेने से बचें, विशेष कर अपने ही लोगों से सावधान रहें।

मीन

यह माह अनुकूल रहेगा, पारिवारिक जीवन में हर्षोल्लास रहेगा, कार्य क्षेत्र में सफलता अर्जित करेंगे एवं आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे, जिससे कोई भी चुनौती टिक नहीं पायेगी, भौतिक सुखों में वृद्धि, विद्यार्थी वर्ग को सफलता, परिवार में मांगलिक कार्य होगा।

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

परतानी नाक कान गला अस्पताल

डॉ. लोकेश परतानी
एम.एस. (ई.एन.टी.)

डॉ. सीमा परतानी
एम.डी. (एनेस्थिसिया)

डॉ. सुशांत जोशी
एम.एस. (ई.एन.टी.)

फोन :- 0294-2462150 मोबाइल :-9414162550 (For Appointment and Emergency)

14, नाकोड़ा कॉम्पलेक्स, हंसा पैलेस के पास,
सेक्टर 4, हिरणमगरी, उदयपुर (राज.)
ई-मेल : lpartani@yahoo.com

सुविधाएं

- नाक, कान एवं गले के सभी प्रकार के रोगों की जाँच, इलाज व ऑपरेशन की सुविधा।
- सूक्ष्मदर्शी यंत्र द्वारा कान व गले के ऑपरेशन की सुविधा।
- मशीन द्वारा कान के सुनने की जाँच (ऑडियोमेट्री एवं इंपिडेंस ऑडियोमेट्री) की सुविधा।
- उच्च तकनीक के डिजिटल श्रवण यंत्र (Digital Hearing Aid)
- नाक, कान एवं गले की एंडोस्कोपी (कम्प्यूटर द्वारा) जाँच की सुविधा।

परस्परोपग्रहो जीवानाम्

लोकेश जैन
9413025265

मोहनलाल शिवलाल जैन

झाड़ू के निर्माता

झाड़ू, ब्रुश, हाउस कीपिंग, लकड़ी के सामान एवं
जनरल सामान के विक्रेता

13, देहलीगेट अन्दर, उदयपुर (राज.)

Suyog Mattha

Shree Matta Fabrication Works

Automation System For Rolling Shutter, Gates, Doors and Barriers

17, B Surbhi Vihar I/s Keshav Nagar, Udaipur (Raj.)
Mobile : 9414158875, 9414168935
E-mail : smatthafabrications@gmail.com

यूनी रैंक में विद्यापीठ को प्रदेश में 7वां स्थान

उदयपुर। जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ(डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय) को यूनी रैंक ने 2020 के सर्वे में प्रदेश में 7वां और उदयपुर में पहला स्थान मिलने पर कुलपति प्रो. एसएस सारंगदेवोत ने इस सफलता का श्रेय स्टाफ, शिक्षकों, छात्रों और अभिभावकों के सामूहिक प्रयास को दिया है। सारंगदेवोत ने बताया कि हायर एजुकेशन सिस्टम में सबसे खास बात यह होती है कि संस्थान को हर तय मापदंड पर खरा उतरना होता है। कुलपति ने कहा कि अब उनका प्रयास रहेगा कि विवि को डीम्ड विवि की रैंकिंग में भी पहला स्थान हासिल हो। अब फोकस पर्यावरण संरक्षण पर रहेगा। इसके लिए विद्यापीठ के तीनों कैंपस में सोलर उर्जा, वाटर हार्वेस्टिंग और ग्रीन कैंपस को बढ़ावा दिया जाएगा।

गीतांजली डिस्पेंसरी का उद्घाटन

उदयपुर। गीतांजली मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, उदयपुर तथा गुरुद्वारा सचखंड दरबार, सिक्ख कॉलोनी, उदयपुर के तत्वावधान में गीतांजली चैरिटेबल डिस्पेंसरी का उद्घाटन गुरुद्वारा परिसर में गीतांजली के कार्यकारी निदेशक अंकित अग्रवाल व गुरुद्वारा सचखंड संस्था के अध्यक्ष धर्मवीर सिंह सलूजा ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर जीएमसीएच सीईओ श्री प्रीतम तम्बोली भी उपस्थित थे।

कोरोना पर सूक्ष्म कृति

उदयपुर। कोरोना से बचाव के लिए चलाए जा रहे जागरूकता अभियान में सहभागिता का निर्वाह करते हुए सूक्ष्म कृतिकार चन्द्रप्रकाश चित्तौड़ा ने एक गेंद पर कलात्मक तरीके से माचिस की तीलियां लगाकर कोरोना के सिम्बोल के रूप में कवर पेज बनाकर सूक्ष्म पुस्तिका तैयार कर निवर्तमान जिला कलेक्टर आनंदी को भेंट की।

किशन साइकिल रेस में अव्वल

उदयपुर। विद्याभवन सीनियर स्कूल की खेलकूद स्पर्द्धा में 800 मीटर साइकिल रेस में आठवीं के किशन सिंह चदाणा ने बाजी मारी। जनरल चैम्पियनशिप अंजलि निनामा (सीनियर) व आंचल (जूनियर) के नाम रही। प्राचार्य पुष्पराज राणावत ने स्वागत व कृष्णकांत यादव ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। संचालन नारायणलाल आमेटा व निर्मला तेली ने किया। मुख्य अतिथि पॉलिटेक्निक कॉलेज के प्राचार्य अनिल मेहता थे। चदाणा का उनके गांव कठार के उमावि में ग्रामीणों ने अभिनंदन किया। पूर्व सरपंच मोतीलाल सुथार, हिम्मतसिंह तथा स्कूल प्रधान मोतीलाल प्रजापत ने चदाणा को प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह प्रदान किया।

फतहसागर के आसपास लगाईं बैंच

उदयपुर। इनरव्हील क्लब, उदयपुर ने फतहसागर, रानी रोड स्थित राजीव गांधी पार्क के सामने व प्रतापनगर स्थित राजकीय चिकित्सालय में कुल 17 बैंचे लगाई। क्लब अध्यक्ष रेखा भाणावत ने बताया कि क्लब ने फतहसागर पर 11, राजीव गांधी पार्क पर 4 व प्रतापनगर स्थित राजकीय चिकित्सालय में 2 बैंच लगाई। इस कार्य में रीना सोजतिया, देविका सिंघवी, रीटा बाफना, अनुपम खमेसरा, सुन्दरी छतवानी, पुष्पा सेठ, सुरजीत छाबड़ा, सावित्री टाया, कान्ता जोधावत व आशा खथुरिया ने सहयोग किया।

डिजिटल क्लासरूम का लोकार्पण

उदयपुर। कालका माता रोड स्थित रॉयल शिक्षण संस्थान में हाल ही हाईटेक रॉयल ऑडियो-विजुअल क्लासरूम का लोकार्पण किया गया। निदेशक जी. एल. कुमावत ने डिजिटल बोर्ड पर क्लिक कर उद्घाटन किया। क्लासरूम कक्ष में 75 इंच का एक इंटरनेट टच स्क्रीन पैनल है, जिसमें सभी अल्ट्रा मॉडर्न सुविधाएं उपलब्ध हैं। यहां से रॉयल संस्थान किसी भी कक्षा से सीधे हॉल में लाइव जा सकेगा।

एसेंट ने मनाया स्थापना दिवस

उदयपुर। मेडिकल और इंजीनियरिंग की तैयारी कराने वाले संस्थान एसेंट ने 21वां स्थापना दिवस मनाया। संस्थापक मनोज बिसारती ने बताया कि एसेंट की शुरुआत 21 वर्ष पहले कुछ विद्यार्थियों के साथ की गयी थी। एसेंट से हजारों विद्यार्थी मेडिकल, इंजीनियरिंग, एनटीएसई और ओलंपियाड की तैयारी करते हैं। संस्थापक मुकेश बिसारती ने बताया कि एसेंट अब पूरे राज्य का विख्यात संस्थान बन चुका है और प्रति वर्ष एसेंट में पूरे राज्य से विद्यार्थी आते हैं।

'सृजन' का विमोचन

उदयपुर। महाराणा प्रताप वरिष्ठ नागरिक संस्थान की ओर से प्रकाशित स्मारिका 'सृजन' का विमोचन महापौर जीएस टांक, नारायण सेवा संस्थान के संस्थापक कैलाश मानव, गीतांजली मेडिकल कॉलेज के सीईओ डॉ. प्रतीम तम्बोली, राजस्थान विद्यापीठ के कुलपति प्रो. एस एस सारंगदेवोत, अखिल भारतीय वरिष्ठ नागरिक महासंघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भंवर सेठ, महाराणा प्रताप वरिष्ठ नागरिक संस्थान के अध्यक्ष चौसरलाल कच्छारा, संरक्षक ओंकार सिंह सिरोया, उपाध्यक्ष नवल पगारिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष कृष्णचन्द्र श्रीमाली, सचिव भंवर सिंह राठौड़ व वरदान मेहता ने किया।

रीना की 'बनास पार' का चयन

उदयपुर। अखिल भारतीय साहित्य सम्मेलन जोधपुर की ओर से हिन्दी व राजस्थानी के दो रचनाकारों का चयन किया गया, जिसमें हिन्दी में जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय की मीरा पीठ प्रभारी रीना मेनारिया की चर्चित पुस्तक 'बनास पार' को तथा राजस्थानी में विनोद स्वामी की पुस्तक 'चालो ऐ बाई छिंया ढलगी के लिए पुरस्कृत किया है।

ओपन जिम की शुरुआत

उदयपुर। चित्रकूट नगर-ए ब्लॉक के श्री राम पार्क में नगर विकास प्रन्यास की ओर से लगाए ओपन जिम उपकरणों का उद्घाटन पूर्व जिला व सत्र न्यायाधीश शिवसिंह चौहान ने किया। सोसायटी के जयप्रकाश माली ने यह जानकारी दी। इस दौरान हिम्मत सिंह राव, तेजप्रकाश शर्मा, बी एस शर्मा, राजेश गर्ग, रघुनाथ शर्मा, रवि धाभाई, गिरधारी सिंह भार्गव व अन्य लोग मौजूद थे।

मनोनयन

प्रो. अमरीक सुविवि व प्रो. त्रिवेदी जनजाति विवि के कुलपति

प्रो. अमरीक सिंह

प्रो. आई वी त्रिवेदी

उदयपुर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति ने मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के कुलपति पद पर प्रो. अमरीक सिंह तथा गोविन्द गुरु जनजाति विवि, बांसवाड़ा के कुलपति पद पर प्रो. आई वी त्रिवेदी को नियुक्त किया है। अमरीक सिंह लखनऊ के इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के डीन-रिसर्च पद पर कार्यरत थे। उधर, जनजाति विवि के नवनियुक्त कुलपति प्रो. आई वी त्रिवेदी पूर्व में मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में दो टर्म तक कुलपति रह चुके हैं।

चुंडावत ने पद भार संभाला

उदयपुर। राज्य सरकार द्वारा उदयपुर के प्रो. दरियाव सिंह चुण्डावत को राजस्थान स्टेट हायर एजुकेशन काउंसिल का उपाध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर उन्होंने 8 जुलाई को जयपुर में कार्यभार संभाल लिया। प्रो. चुंडावत ने बताया कि वे सभी विश्वविद्यालय में प्रशासनिक व एचआरडी मंत्रालय से समन्वय रखते हुए अधिक से अधिक वित्तीय सहयोग दिलाने का प्रयास करेंगे। इस काउंसिल के चेयरमैन उच्च शिक्षामंत्री हैं।

सच्चान अध्यक्ष एवं गुप्ता सचिव

धीरेन्द्र सच्चान

राहुल गुप्ता

उदयपुर। रोटरी क्लब हेरिटेज के वर्ष 2020-21 के नए सत्र के अध्यक्ष के रूप में धीरेन्द्र सच्चान अध्यक्ष एवं राहुल गुप्ता सचिव चुने गए। सहायक प्रांतपाल आशीष बांठिया ने बताया कि कोषाध्यक्ष विक्रांत दोशी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. दीपक शर्मा, उपाध्यक्ष राहुल शाह, आशीष बांठिया, संयुक्त सचिव कमलेश गांधी, सार्जेन्ट एट आर्म्स अजय साबला आदि की भी नियुक्ति की गई।

डॉ. गुप्ता पेसिफिक मेडिकल विश्वविद्यालय के वीसी

डॉ. गुप्ता का स्वागत करते पीएमसीएच के चेयरमैन राहुल अग्रवाल, अमन अग्रवाल एवं पेसिफिक विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार शरद कोठारी।

उदयपुर। डॉ. ए. पी. गुप्ता ने पेसिफिक मेडिकल विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर का कार्यभार ग्रहण कर लिया। पीएमसीएच के चेयरमैन राहुल अग्रवाल, अमन अग्रवाल, पेसिफिक विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार शरद कोठारी, विश्वविद्यालय से सम्बद्ध सभी कॉलेजों के डीन, विभागाध्यक्षों एवं सभी गणमान्य लोगों की मौजूदगी में डॉ. गुप्ता ने कार्यभार ग्रहण किया।

रोटरी क्लब 'उदय' ने ली शपथ

उदयपुर। रोटरी क्लब 'उदय' की वर्ष 2020-21 की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह लेकसिटी मॉल स्थित होटल रेडिसन में रोटरी डिस्ट्रिक्ट-3054 के प्रान्तपाल राजेश अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य में हुआ। विशिष्ट अतिथि डॉ. आनन्द गुप्ता, सौरभ पालीवाल, डिस्ट्रिक्ट रोटरी फाउण्डेशन कमेटी के चेयरमैन ललित शर्मा तथा राजश्री गांधी थे। जीएसआर डॉ. सीमासिंह अध्यक्ष, विपुल मोहन सचिव, साक्षी डोडेजा सहित नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने शपथ ली।

उदयपुर। विप फाउण्डेशन राजस्थान प्रदेश जोन-1-ए में हरीश आर्य प्रदेश सचिव को प्रदेश संगठन सचिव नियुक्त किया गया है।

उदयपुर। जयपुर में हुए ओलिंपिक संघ (राज.) के चुनाव में राजस्थान मुक्केबाजी संघ के अध्यक्ष फतेहसिंह राठौड़ को संयुक्त सचिव बनाया गया।

डॉ. मन्जीत बनी प्रदेशाध्यक्ष

उदयपुर। महिला प्रोफेशनल के सशक्तीकरण के उद्देश्य से दिल्ली में देश का पहला वूमन्स इण्डियन चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज का गठन किया गया। उदयपुर में संचालित डायनैमिक टीम सिक्यूरिटी सर्विसेज की डायरेक्टर डॉ. मन्जीत कौर बंसल को राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष मनोनीत किया गया है।

चुनाव चयन

टाया अध्यक्ष, सिरोया सचिव

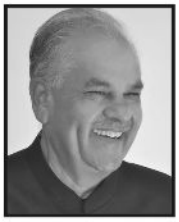

महेन्द्र कुमार टाया

वीरेन्द्र सिरोया

उदयपुर। रोटरी क्लब, उदयपुर के नए रोटरी सत्र के अध्यक्ष महेन्द्र कुमार टाया व सचिव वीरेन्द्र सिरोया को मनोनीत किया गया। नवगठित बोर्ड में निवर्तमान अध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमावत, अध्यक्ष निर्वाचित कर्नल डॉ. बी एल जैन, अध्यक्ष मनोनीत सतीश जैन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष वी. पी. राठी, उपाध्यक्ष राजेश खमेसरा, संजय भटनागर, क्लब सर्विस निदेशक डॉ. एन. के. धींग, सामुदायिक सेवा निदेशक तेजसिंह मोदी, पी. एस. तलेसरा, यूथ सेवा निदेशक डॉ. अजय मुर्डिया, व्यावसायिक सेवा निदेशक बी. एच. बाफना, कोषध्यक्ष सुभाष सिंघवी, चेयरमैन रोटरी सर्विस ट्रस्ट डॉ. अनिल कोठारी, वरिष्ठ संयुक्त सचिव उमेश नागौरी, संयुक्त सचिव अजय दक, सार्जेन्ट एट आर्म्स सुभाष जैन, पीआरओ हेमन्त मेहता, क्लब ट्रेनर पूर्व प्रान्तपाल निर्मल सिंघवी, क्लब सलाहकार गजेन्द्र जोधावत, डॉ. एम. एस. सिंघवी, एन. के. तलेसरा, प्रोग्राम कमेटी चेयरमैन रमेश सिंघवी को मनोनीत किया।

वीसीसीआई कार्यकारिणी घोषित

उदयपुर। विप्र चैम्बर ऑफ कॉमर्स इण्डस्ट्रीज मेवाड़ व जिला चैप्टर की बैठक में नवीन कार्यकारिणी की घोषणा की गई। मुख्य अतिथि विफा जोन-1ए के प्रदेश अध्यक्ष के. के. शर्मा, विशिष्ट अतिथि वीसीसीआई मेवाड़ चैप्टर अध्यक्ष कृष्णकान्त शर्मा थे जबकि अध्यक्षता वीसीसीआई जिला अध्यक्ष सत्यनारायण मेनारिया ने की। कार्यकारिणी में जिला अध्यक्ष सत्यनारायण मेनारिया, उपाध्यक्ष प्रिन्स चौबीसा, महामंत्री दिनेश चौबीसा, संगठन मंत्री जितेश श्रीमाली, हितांशु कौशल, कोषाध्यक्ष कुलदीप जोशी, आईटी सेल प्रभारी अभिषेक पालीवाल, सचिव अभिजीत शर्मा, तरुण पालीवाल, सहसचिव भंवरलाल पुष्करणा, प्रहलाद मेनारिया मनोनीत किए गए। धन्यवाद हिम्मत नागदा ने किया।

मेडिकल प्रेक्टिशनर्स सोसायटी ने ली शपथ

उदयपुर। उदयपुर मेडिकल प्रेक्टिशनर्स सोसायटी की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का गत दिनों शपथ ग्रहण समारोह हुआ। वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. डी. पी. अग्रवाल ने अध्यक्ष डॉ. ए. पी. गुप्ता, सचिव डॉ. गौरव वधावन, उपाध्यक्ष डॉ. मनीष सेठ, संयुक्त सचिव डॉ. मनीष अग्रवाल, कोषाध्यक्ष डॉ. कार्तिकेय कोठारी, डॉ. आलोक व्यास, डॉ. मुकेश देवपुरा, डॉ. रवि भाटिया, डॉ. संचिता दशोरा, डॉ. आभा शर्मा को शपथ दिलाई।

बेकरी एसोसिएशन के चुनाव

मुकेश माधवानी

उदयपुर बेकरी एसोसिएशन की कार्यकारिणी में सर्वसम्मति से मुकेश माधवानी को अध्यक्ष एवं रितेश जैन को सचिव चुना गया। कार्यकारिणी में संजय कालरा उपाध्यक्ष, उमेश मटाई सहसचिव और राजकुमार सचदेव को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। माधवानी ने बताया कि एक साल में बेकरी नगर की स्थापना का प्रयास रहेगा।

रितेश जैन

दिनेश पॉवर लिफ्टिंग संघ के अध्यक्ष

उदयपुर। राजस्थान राज्य पॉवरलिफ्टिंग संघ की वार्षिक साधारण सभा में अगले चार वर्ष के चुनाव में दिनेश श्रीमाली अध्यक्ष, विनोद साहू सचिव व राजसमन्द के अजय गुर्जर कोषाध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित हुए।

चावत उपाध्यक्ष

उदयपुर। राजस्थान टेंट डीलर्स किराया व्यवसाय समिति की प्रदेश कार्यकारिणी में उदयपुर से सुधीर चावत को उपाध्यक्ष, कमलेश पोखरना व सुनिल हिंगड़ को सचिव मनोनीत किया गया।

मेहता अध्यक्ष, भंडारी सचिव

रमेश मेहता

हितेश भण्डारी

मनीष गलूण्डिया

उदयपुर। रोटरी क्लब एलीट के नए सत्र की शुरुआत गत दिनों पौधरोपण के साथ हुई। बोर्ड बैठक में सर्वसम्मति से अध्यक्ष रमेश मेहता एवं सचिव हितेश भंडारी को मनोनीत किया गया। पूर्वाध्यक्ष मनीष गलूण्डिया रोटरी डिस्ट्रिक्ट में सहायक प्रांतपाल पद पर नियुक्त हुए।

राकेश जोशी कार्यकारी अध्यक्ष

उदयपुर। उदयपुर ट्रैवल्स एसोसिएशन के अध्यक्ष पारस सिंघवी ने उप महापौर और चैंबर ऑफ कॉमर्स अध्यक्ष पदों की व्यस्तता के चलते राकेश जोशी को ट्रैवल्स एसोसिएशन का कार्यकारी अध्यक्ष, शंकर भाटिया को महासचिव, अमित यादव को सहसचिव व राजेश विधानी को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया।

बान्सी बने अध्यक्ष

उदयपुर। कस्तूरबा मातृ मंदिर डॉ. आत्म प्रकाश भाटी हॉस्पिटल के त्रैवार्षिक चुनाव में तेजसिंह बान्सी पुनः अध्यक्ष चुने गए। उन्होंने शांतिलाल पामेचा को कार्यवाहक अध्यक्ष, प्रो. लक्ष्मीलाल वर्मा व गणपत हिंगड़ को उपाध्यक्ष, डॉ. जेपी भाटी को मंत्री, जगदीश भाटी को सयुक्तमंत्री व विष्णु शर्मा 'हितैषी' को पीआरओ मनोनीत किया। डॉ. ओपी भाटी, स. प्रीतम सिंह व मनीषा सिंह को सदस्य बनाया। उन्होंने अपने नये कार्यकाल में संस्था में विकास के नये आयाम जुड़ने की आशा व्यक्त की।

पाठक पीठ

लॉकडाउन के बाद 'प्रत्यूष' जून-जुलाई का संयुक्त अंक मिला। कोविड-19 ने संसार की गति के पहिए ही जैसे थाम दिए थे। 'कोरोना' को लेकर शिल्पा नागदा का आलेख अच्छा लगा। इसमें घबराना नहीं है, हौसला और सावधानी रखनी है। सरकार द्वारा तय गाइडलाइन का पालन करना है।

- **दिलीप सिंह यादव,** शिक्षाविद्

जून-जुलाई-20 के 'प्रत्यूष' संयुक्तांक का सम्पादकीय 'चीन को घुटनों पर लाना होगा', प्रासंगिक होने के साथ-साथ भारतीय स्वाभिमान का द्योतक भी था। चीन एक ऐसा उच्छृंखल देश है, जो भारत ही नहीं सम्पूर्ण विश्व के लिए खतरा है। इसे ऐसा सबक देना ज़रूरी है कि फिर कभी भारत की ओर आंख उठाकर देखने की जुर्रत न कर पाए।

- **गुरुप्रीत सिंह सोनी,** उद्योगपति

प्रत्यूष के पिछले अंक में स्वास्थ्य संबंधी आलेख 'वर्षा ऋतु की बीमारियां और उपचार' सामयिक था। आलेख में आयुर्वेदिक पद्धति से उपचार के घरेलू नुस्खे वास्तव में बड़े उपयोगी हैं। इस मौसम में आहार-विहार का इस बार खास ध्यान देना होगा, क्योंकि 'कोरोना' इसमें ज़्यादा प्रभारी हो सकता है।

- **चिरंजीव सिंह ग्रेवाल,** उद्योगपति

भगवान प्रसाद गौड़ का 'प्रत्यूष' के जुलाई अंक में कोरोना से अर्थव्यवस्था पर पड़े कुप्रभाव सम्बंधी आलेख काफी विश्लेषणात्मक था। अर्थव्यवस्था को फिर से पटरी पर लाने में हम सबको सहयोग करना होगा। बेरोजगार हुए कामगारों को मुश्किल हालातों से निकालना सरकार और समाज की प्राथमिकता होनी चाहिए।

- **मयंक कोठारी,** एमडी, अरिहंत नर्सिंग इंस्टीट्यूट

शोक समाचार

सीकर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के सचिवालय विशेषाधिकारी श्री देवाराम सैनी के पिता श्री गुलजारी लाल जी का 13 जुलाई को देहावसान हो गया। उनका अन्तिम संस्कार पैतृक गांव खण्डेला(सीकर) में सम्पन्न हुआ। उनके निधन पर सचिवालय व मंत्रिमण्डल के सदस्यों ने दुख व्यक्त किया है।

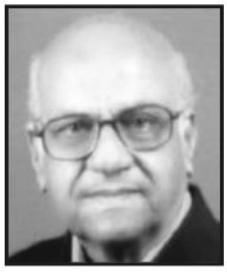

श्री मोहनशंकर जी जानी निवासी हिरणमगरी सेक्टर 4 का 15 जुलाई को आकस्मिक देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोक विह्वल पत्नी श्रीमती कान्ता देवी, पुत्र मुकेश जानी(नगर विकास प्रन्यास), पुत्रियां मधु जोशी व प्रतिमा जोशी सहित पौत्र-पौत्रियों व दोहित्र-दोहित्रियों का विशाल समृद्ध परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री गुलाबचन्द जी अग्रवाल का अपने बेदला रोड स्थित आवास पर 17 जुलाई को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय धर्मपत्नी श्रीमती इन्द्रादेवी, पुत्र अशोक, पुत्रियां श्रीमती शकुन्तला, प्रभादेवी, सन्तोष व मंजू देवी तथा पौत्र-पौत्रियों व दोहित्र-दोहित्रियों का सम्पन्न परिवार छोड़ गए हैं।

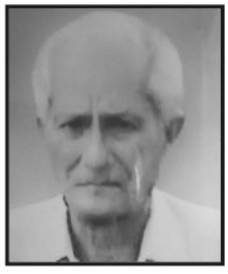

जयपुर। डॉ. वीणा शर्मा के श्वसुर एवं स्व. गौरवजी शर्मा के पिताश्री सुरेश चन्द्र जी शर्मा का 30 जून, 2020 को आकस्मिक निधन हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदया धर्मपत्नी श्रीमती कमलेश शर्मा, डॉ. वीणा शर्मा, पुत्र नीलगगन शर्मा एवं पौत्री भार्गवी सहित समृद्ध एवं सम्पन्न परिवार छोड़ गए हैं। 'प्रत्यूष' परिवार की हार्दिक श्रद्धांजलि।

वही उत्कृष्ट गिरनार सिंगल सुपर फॉस्फेट अब नये पैकिंग में उपलब्ध

गिरनार सिंगल सुपर फॉस्फेट
पाउडर

सभी फसलों के लिये उपयोगी

गिरनार®

गिरनार स्वाद का वादा
उन्नत कृषि सम्पन्न किसान

गिरनार सिंगल सुपर फॉस्फेट
दानेदार

गिरनार सिंगल सुपर फॉस्फेट, यही है सबसे अच्छा, क्योंकि

इसमें है गुणवत्ता पूर्ण 16 %फॉस्फोरस (14.5%WS) साथ ही 11 % सल्फर एवं 21 %कैल्शियम मुफ्त ।

फॉस्फोरस से लाभ

- जड़ों का पूर्ण विकास
- दाने पुष्ट व चमकदार
- शाखाओं का अधिक फूटान।
- जमीन की उर्वरकता बनी रहती हैं।
- पौधों में रोग प्रतिरोधक शक्ति में वृद्धि।

कैल्शियम से लाभ

- कृषि भूमि में सुधार
- गन्ने में शर्करा की मात्रा में वृद्धि
- पौधों में सामान्य से अधिक वृद्धि
- तिलहनी फसलों में तेल की मात्रा में वृद्धि
- ठंडक व बीमारियों से लड़ने की क्षमता में वृद्धि

सल्फर से लाभ

- पौधों में अधिक मजबूती।
- पौधों की बढ़वार एवं भरपूर विकास।
- अधिक तापमान के प्रति सहनशीलता।
- भूमि की संरचना व क्षारीयता में सुधार।
- अन्य पौषक तत्वों के अवशोषण में वृद्धि।

उपयोग की मात्रा 500 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर

ISO 9001:2008

QUALITY CERTIFIED

निर्माता Rama

रामा फॉस्फेट्स लिमिटेड

4807/11, उमरा, झामरकोटड़ा रोड, तहसील - गिर्वा, उदयपुर (राजस्थान) / कॉरपोरेट ऑफिस : 51-52, फ्री प्रेस हाउस, नरिमन पॉइंट, मुम्बई-400021
Ph. : 0294-2342010, E-mail : rama.udaipur@ramagroup.co.in
visit us : www.ramaphosphates.com

With Best Compliments from

ORIENTGLAZES
INNOVATE TO CREATE

NAHAR
COLOURS & COATING PVT. LTD.

Registered & Head Office :
NCCL House, Sukher Industrial Park,
Udaipur-313004 INDIA
Tel : ++91-294-2440307
E-mail: nccl@naharcolours.com | Web: www.naharcolours.com

अरिहन्त वाटिका

45,000 वर्ग फीट का हरा-भरा लॉन, आकर्षक विद्युत सज्जा

पार्किंग की
पूरी व्यवस्था

मीठे पानी
की सुविधा

12 कमरे व
2 हॉल उपलब्ध

मो.: 9414902400, 9414166467
सेन्ट ग्रिगोरियस स्कूल के पीछे, शनि महाराज मन्दिर के सामने, न्यू भूपालपुरा, उदयपुर

Raghu Mahal
Hotels Pvt. Ltd.

FLAMES RESTAURANT
(Multi Cuisine)
(A Unit of Raghu Mahal Hotels Pvt. Ltd.)
Ph :- 0294-2425694 M.:- 09649466662

Spa-Beer Bar-Banquet Hall

93, Opp. M.B. College, Darshanpura, Airport Road, Udaipur (Raj.)
Tel :- 0294-2425690-93 Email :- raghumahalhotels@gmail.com
Website :- www.raghumahalhotels.com

GRAND EVENTS NEED GRAND VENUES

180 Rooms | 10 Venues | 360° Mountain View

Spectrum Resort, Spa & Convention
N.H. 76, Gram Barodiya, Panchayat Kavita
Udaipur - 313 001 | Tel. 0294-2684000-3
Mob. +91 73000 71954
Email : reservation@spectrumudaipur.com
Web : www.spectrumudaipur.com

जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड-टू-बी विश्वविद्यालय)

GRADE 'A' ACCREDITED BY NAAC

प्रतापनगर, उदयपुर - 313001 (राजस्थान) फोन एवं फैक्स : 0294-2492440
E-mail : admissions@jrnrvu.edu.in

सरस्वती देवयन्ते हवन्ते

पंडित जनार्दन राय नागर संस्थापक

प्रवेश प्रारम्भ-2020-21

पंडित जनार्दन राय नागर की 109 वीं जयंती

माणिक्यलाल वर्मा श्रमजीवी महाविद्यालय

सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी संकाय : फोन: 0294-2413029, 2410776, मो: 9829160606

•बी.ए.: अंग्रेजी, हिन्दी, संस्कृत, इतिहास, समाजशास्त्र, भूगोल, अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान, लोक प्रशासन, पर्यावरण विज्ञान,ज्योतिष, संगीत •एम.ए. : अंग्रेजी, हिन्दी, संस्कृत, इतिहास, समाजशास्त्र, भूगोल, अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान, संगीत •एम.फिल •डिप्लोमा कोर्सेज : डिप्लोमा इन म्युजिक (सुरमल्हार) •पी.जी. डिप्लोमा इन जी.आई.एस. एण्ड रिमोट सेन्सिंग •बैचलर ऑफ जर्नलिस्म एण्ड मास कम्युनिकेशन •सर्टिफिकेट कोर्सेज : स्पोकन इंग्लिश, प्रोफिशियन्सी इन इंग्लिश एण्ड कम्यूनिकेशन स्किल्स, कल्चर ऑफ राजस्थान, रिसर्च मैथड्स एण्ड डाटा एनालिस्ट, ह्युमन राईट्स, एम.एससी.इन जी.आई.एस.

वाणिज्य संकाय: फोन : 0294-2413029, 2410776, मो: 9460275655

•बी.कॉम. •बी.बी.ए. •एम.कॉम. : लेखांकन, व्यावसायिक प्रशासन •एम.आई.बी. •एम.फिल. •मास्टर ऑफ एन.जी.ओ. मैनेजमेन्ट •पी.जी. डिप्लोमा इन ट्रेनिंग एण्ड डवलपमेन्ट •सर्टिफिकेट कोर्सेज : प्लास्टिक प्रोसेसिंग एण्ड मैन्युफैक्चरिंग स्किल्स,टैली ई.आर.पी.9.0, गुड्स एण्ड सर्विस टैक्स (GST)

Faculty of Education
B.A. B.Ed/ B.Sc. B. Ed. (Four Year Integrated Course) Mob. 9460693771

फैकल्टी ऑफ कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंफोरमेशन टेक्नोलॉजी
(फोन : 2494227, 2494217, मोबाइल: 9887285752)

•MCA •M.Sc. (Computer Science) **•PGDCA •BCA**
•PG Diploma In police Science and criminology
(In Directorate of Jan Shikshan and Extension.)

Department of Pharmacy, मो. 9414869044

D. Pharm (Diploma in Pharmacy)

फैकल्टी ऑफ साइंस,फोन : 9461179656, 9461109371

•B.Sc. (Physics, Mathematics, Chemistry, Statistics, Computer Science, Botany, Zoology)
•M.Sc. Chemistry (Inorganic, Organic, Physical, Industrial)
•M.Sc. Mathematics, Physics, Botany and Zoology

ज्योतिष एवं वास्तु संस्थान मो. 9460030605

•एम.ए. ज्योतिर्विज्ञान •डिप्लोमा ज्योतिष •डिप्लोमा वास्तु •प्रमाण पत्र-ज्योतिष, वास्तु, हस्तरेखा, पूजा पद्धति कर्म काण्ड, वैदिक संस्कार संस्कृति (रविवार)

सायंकालीन महाविद्यालय मो. 9414291078, 9829332300

बी.ए., बी.कॉम, एम.ए., एम.कॉम सभी विषय, एम.ए., एम.एससी. (मनोविज्ञान) बी.लिब, एम.लिब, बी.एड. (स्पेशल एम.आर.), डी.एड (आर.सी.आई से मान्यता प्राप्त), पीजी डिप्लोमा इन गाइडेंस एवं कांउसलिंग, Master of Disaster Management

Department of Physical Education (Evening) Phone: 9352500445

•Diploma in Yoga •M.A. in Yoga •M.A. In Physical Education
•Diploma in Gym Instructor

Physical Education (शारीरिक शिक्षा) मोबाइल : 9829943205, 9352500445

•मास्टर ऑफ फिजिकल एजुकेशन (M.P.Ed.) •MA (YOGA Education)

डिपार्टमेन्ट ऑफ लॉ, मोबाइल 9414343363, 9928246547

•LL.B. •LL.M. (2 Years) •B.A.LL.B (5 Years) •PGDCL •PGDLFS •PGDLL

साहित्य संस्थान (इंस्टीट्यूट ऑफ राजस्थान स्टडीज) (फोन 0294-2491054)

•M.A.. प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विज्ञान (Archaeology)
•PG Diploma - पुरातत्व विज्ञान (Archaeology)

फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग-राजस्थान विद्यापीठ टेक्नोलॉजी कॉलेज
मो.9829009878-9950304204 फोन: 0294-2490210

•Diploma in Engineering - सिविल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रोनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग **•Diploma in Engineering (तीन वर्षीय पाठ्यक्रम)**

डिपार्टमेन्ट ऑफ फिजियोथेरेपी फोन : 0294-2656271 मो. 9414234293

•मास्टर ऑफ फिजियोथैरेपी •बेचलर ऑफ फिजियोथैरेपी
•PhD in physiotherapy •Fellowship in palliative care and oncology rehabiliatation •Fellowship in neurological rehabiliatation

उदयपुर स्कूल ऑफ सोशल वर्क - फोन 0294-2491809- 9314696406

•MSW •पी.जी. डिप्लोमा-**HRM •NGO** मैनेजमेन्ट **•Post Graduate Diploma in Rural Development (PGDRD)**

डायरेक्ट्रेट ऑफ जनशिक्षण एवं विस्तार कार्यक्रम (फोन : 2490723)

- DCA Diploma in Computer Applications
- **PG Diploma In police Science and criminology**
(In Directorate of Jan Shikshan and Extension.)

स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज, डबोक

- B.Sc. (Hons.) Agriculture (कृषि)

फैकल्टी ऑफ एजुकेशन
लोकमान्य तिलक टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज, डबोक (फोन : 0294-2655327, 2657753)

•M.Phil •M.Ed. •B.Ed. - M.Ed. Integrated.
•B.Ed. •B.Ed. (CD)
•B.A.B. Ed. / B. Sc. B.Ed. Four year integrated Course
•D.El.Ed.

कन्या महाविद्यालय, डबोक (फोन: 0294-2655327,मो. 9460856658, 9694881447)

•B.A.• B.Com.• B.Sc.• M.A. • M.Com • M.A. (Hindi, Pol. Sc., History, Geog, Sociology, Economics) • M.Com (Accountancy) • Special classes for English Speaking and Computer Basics • M.A in English Literature

आर.वी. होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पीटल, डबोक
(फोन : 0294-2655974, 2655975, मोबाईल : 09351343740, 09414156701)

- बेचलर ऑफ होम्योपैथिक मेडिसिन एण्ड सर्जरी **(BHMS)**

फैकल्टी ऑफ मैनेजमेन्ट स्टडीज (एफ.एम.एस.)
(फोन: 0294-2490632 मो: 9461260408, 9782049628)

- **MBA • MHRM**

Department of Travel, Tourism & Hospitality
Faculty of Management Studies 9950489333

Course Offired	Duration of Course	Eligiblity
BBA (Tourism & Travel)	3 Years	12th Pass in any stream
Specialisation in Hospitality	1 Years	
Diploma in Hotel Management (Food & Bevrage Service)		12th Pass in any stream
Diploma in Hotel Management (Housekeeping)	1 Years	12th Pass in any stream

Note : For more information about the admission in various courses like minimum percentage, fee structure etc. please go through our website www.jrnrvu.edu.in, respective prospectus or contact concerned department रजिस्ट्रार